RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से खबरें

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 77 | जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ ,रविवार, 13 सितंबर 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

▶ 45 पन्नों और 140 बिंदुओं वाला नई दिल्ली घोषणापत्र सर्वसम्मति से मंजूर

ब्रिक्स में आतंकवाद पर एकजुट दुनिया, पहलगाम हमले की कड़ी निंदा, टैरिफ पर भी जताई गई चिंता

गाजा में युद्धविराम और दो-राष्ट्र समाधान का समर्थन, यूएनएससी सुधार पर भी रहा जोर

● नई दिल्ली

भारत की मेजबानी में हुए 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में 45 पन्नों और 140 बिंदुओं वाला नई दिल्ली घोषणापत्र सर्वसम्मति से मंजूर किया गया। घोषणापत्र में आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा करते हुए 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की भी सबसे कड़े शब्दों में निंदा की गई। हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। ब्रिक्स देशों ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने और इससे निपटने में दोहरे मानदंडों को खारिज करने पर सहमति जताई। घोषणापत्र में सीमा पार आतंकवाद, आतंकवाद की फंडिंग और आतंकियों को सुरक्षित पनाह देने वालों के खिलाफ मिलकर कार्रवाई करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

ब्रिक्स ने कहा कि आतंकवाद को किसी धर्म, राष्ट्रीयता, सभ्यता या जातीय समूह से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। आतंकवादी गतिविधियों में शामिल लोगों और उन्हें समर्थन देने वालों की जवाबदेही तय करने की जरूरत पर जोर दिया गया। आतंकवाद के साथ मानव तस्करी, हथियारों की तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग, साइबर अपराध और डिजिटल धोखाधड़ी के खिलाफ सहयोग बढ़ाने की बात भी कही गई। संयुक्त राष्ट्र की सूची में शामिल आतंकवादियों और आतंकी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई का आह्वान किया गया। (शेष पृष्ठ 8 पर)

ग्लोबल साउथ को मिलेगी बड़ी भूमिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स सम्मेलन में ग्लोबल साउथ को वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक भागीदारी देने की जोरदार पैरवी की। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ आज दुनिया के संकटों की अग्रिम पंक्ति में है, लेकिन फैसले लेने की प्रक्रिया में पीछे है। पीएम मोदी ने कहा कि ग्लोबल साउथ को रूल टेकर से रूल शेपर बनना होगा। उन्होंने वैश्विक शासन व्यवस्था को पिरामिड ऑफ प्रिविलेज से प्लेटफॉर्म ऑफ पार्टनरशिप में बदलने की जरूरत बताई, जहां हर देश की आवाज और भागीदारी हो।

मोदी और जिनपिंग की 50 मिनट तक चली मुलाकात, बोले- दोनों देशों के मतभेद विवाद में नहीं बदलने चाहिए

प्रधानमंत्री मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ 50 मिनट की द्विपक्षीय बैठक में भारत-चीन रिश्तों को रणनीतिक और दीर्घकालिक नजरिए से आगे बढ़ाने पर जोर दिया। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के मतभेद विवाद में नहीं बदलने चाहिए और रिश्तों की नींव पारस्परिक सम्मान, पारस्परिक संवेदनशीलता और पारस्परिक हित पर होनी चाहिए। गलवान टकराव के बाद दोनों नेताओं की यह पहली द्विपक्षीय बैठक थी। मोदी ने कहा कि सीमा पर शांति और स्थिरता द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास के लिए जरूरी है। दोनों पक्षों ने सीमा मुद्दे के निष्पक्ष और आपसी सहमति से समाधान की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में व्यापार असंतुलन, सप्लाई चेन और बाजार तक बेहतर पहुंच जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने व्यापार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और लोगों के बीच आवाजाही बढ़ाने पर सहमति जताई। मोदी ने भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के लिए चीन के समर्थन और 2026 शिखर सम्मेलन की सफलता में उसके योगदान की सराहना की।

नई दिल्ली घोषणापत्र की बड़ी बातें...

1. **पहलगाम हमला:** 22 अप्रैल 2025 के आतंकी हमले की सबसे कड़े शब्दों में निंदा।
2. **आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस:** आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ एकजुट कार्रवाई का संकल्प।
3. **टेरर फंडिंग पर शिकंजा:** आतंकवाद की आर्थिक मदद और आतंकियों के सुरक्षित ठिकानों के खिलाफ कार्रवाई।
4. **टैरिफ का विरोध:** एकतरफा टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं पर चिंता।
5. **गाजा पर रुख:** युद्धविराम और निर्बाध मानवीय सहायता की मांग।
6. **दो-राष्ट्र समाधान:** स्वतंत्र फलस्तीन राज्य और पूर्वी यरुशलम को राजधानी बनाने का समर्थन।
7. **यूएनएससी सुधार:** सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार और भारत-ब्राजील की बड़ी भूमिका का समर्थन।
8. **ग्लोबल साउथ:** विकासशील देशों को वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रतिनिधित्व देने पर जोर।
9. **एआई सहयोग:** सुरक्षित, भरोसेमंद और समावेशी एआई के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग।
10. **अगली मेजबानी:** 2027 में चीन करेगा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी।

जहरीली शराब से मौतों की जांच के लिए आयोग गठित

तीन महीने में आएगी रिपोर्ट, रिटायर्ड जस्टिस विष्णु प्रताप की समिति करेगी इसकी जांच

● भोपाल

सागर जिले के बंडा क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के मामले में राज्य सरकार ने न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश विष्णु प्रताप सिंह चौहान की अध्यक्षता में एक सदस्यीय जांच आयोग गठित किया है। आयोग घटना के कारणों के साथ संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपायों की भी जांच करेगा।

सरकार के आदेश के अनुसार आयोग को तीन प्रमुख बिंदुओं पर जांच कर रिपोर्ट तैयार करनी है। पहला बिंदु यह पता लगाना है कि कथित जहरीली शराब के सेवन से हुई मृत्यु और अस्वस्थता की वास्तविक वजह क्या थी। घटना का स्वरूप और उससे जुड़ी परिस्थितियों का तथ्यात्मक निर्धारण भी आयोग करेगा।

अफसरों की जिम्मेदारी भी जांच के दायरे में

जांच के दूसरे बिंदु में संबंधित क्षेत्र के आबकारी अधिकारियों, पुलिस तथा अन्य जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका की पड़ताल होगी। आयोग यह देखेगा कि संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने निर्धारित दायित्वों का कितना पालन किया। इससे यह भी स्पष्ट होगा कि घटना को रोकने या समय रहते कार्रवाई करने में कहीं लापरवाही तो नहीं हुई। तीसरे बिंदु में भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी नियंत्रण और निगरानी व्यवस्था को लेकर सुझाव मांगे गए हैं। आयोग शासन को आवश्यक उपायों की सिफारिश भी करेगा।

सागर में रहेगा आयोग का मुख्यालय

सरकार ने जांच आयोग का मुख्यालय सागर निर्धारित किया है। आदेश जारी होने की तारीख से तीन महीने के भीतर आयोग को जांच पूरी कर अपनी रिपोर्ट राज्य शासन को सौंपनी होगी। बंडा क्षेत्र में जहरीली शराब की घटना के बाद प्रशासनिक स्तर पर पहले भी जांच शुरू की गई थी। अब न्यायिक जांच आयोग गठित होने से घटना में मौतों के कारण, जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका और शराब की आपूर्ति से जुड़े पहलुओं की पड़ताल को संस्थागत रूप से आगे बढ़ाया जाएगा। हालिया रिपोर्टों में भी घटना के बाद पुलिस और प्रशासन की जांच तथा अवैध शराब के नेटवर्क की पड़ताल का उल्लेख है।

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ी सीमा-पार आतंकी साजिश का मामला

जम्मू-कश्मीर में एनआईए का बड़ा एक्शन तीन जिलों में सात ठिकानों पर छापेमारी

अधिकारियों ने बताया-तलाशी अभियान कुलगाम, बांदीपोरा और बारामूला जिले के सोपोर इलाके में चलाया गया

● श्रीनगर

आतंकवाद-विरोधी अपनी चल रही जांच को और तेज करते हुए, नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को कश्मीर घाटी में सात रिहायशी ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। ये छापे दक्षिण और उत्तर कश्मीर में उन जगहों पर मारे गए जो लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़ी सीमा-पार आतंकी साजिश की जांच का हिस्सा थे। इस साजिश में पाकिस्तान में बैठे हैंडलर और ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) का स्थानीय नेटवर्क शामिल है। अधिकारियों के मुताबिक, तलाशी अभियान कुलगाम जिले में दो जगहों, बांदीपोरा जिले में तीन जगहों और बारामूला जिले के सोपोर इलाके में दो जगहों पर चलाया गया। स्थानीय पुलिस और सुरक्षाकर्मियों की मदद से एनआईए की टीमों ने एजेंसी के केस आरसी-02/2026/ एनआईए/ जेएमयू से जुड़े रिहायशी ठिकानों पर ध्यान केंद्रित किया। अधिकारियों ने बताया कि जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में और जानकारी मिलने की उम्मीद है।

श्रीनगर में चेकिंग के दौरान मिली थी जानकारी

इस मामले की शुरुआत 31 मार्च, 2026 को हुई थी, जब जम्मू-कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर के जकूरा के पास देर रात नाका चेकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल सवार को रोका और उसके पास से एक हैंड ग्रेनेड और जिदा कारतूस बरामद किए। उस व्यक्ति की पहचान प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कथित ओवर ग्राउंड वर्कर के तौर पर हुई थी। जकूरा पुलिस स्टेशन में दर्ज स्थानीय एफआईआर (नंबर 24/2026) को बाद में एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया और इसे आरसी-02/2026/ एनआईए/ जेएमयू के तौर पर फिर से दर्ज किया। इस मामले में गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 23, शस्त्र अधिनियम, 1959 की धारा 7 और 25, और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 1908 की धारा 4 के तहत प्रावधान लागू किए गए हैं।

अब तक की जांच में चला बड़ी साजिश का पता

अब तक की जांच से एक बड़ी साजशि का पता चला है जिसमें पाकिस्तान में बैठे हैंडलर स्थानीय मददगारों को निर्देश दे रहे थे। आरोप है कि इन ओजीडब्ल्यूएस ने घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों को लॉजिस्टिकल सपोर्ट, पनाह, रेकी (निगरानी), संचार में मदद और अन्य तरह की सहायता मुहैया कराई थी। इस साजशि से जुड़े पाकिस्तानी नागरिकों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है और स्थानीय सपोर्ट नेटवर्क के कई सदस्यों की भूमिकाओं का पता लगाया गया है। शनिवार को कई जलिों में की गई कार्रवाई से पता चलता है कि एनआईए घाटी में बचे-खुचे आतंकी सपोर्ट नेटवर्क को खत्म करने पर लगातार ध्यान दे रही है। अधिकारियों ने बताया कि जांच जारी है और आगे की जानकारी का इंतजार है। इससे पहले आतंकी साजिश के मामले में एनआईए ने जम्मू-कश्मीर में 10 जगहों पर छापेमारी की थी।

मुंबई के जाम में फंसे गडकरी बोले पुराने फ्लाईओवर बन रहे मुसीबत

22वें इंडो-अमेरिकन कॉर्पोरेट एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2026 के कार्यक्रम में एक घंटे की देरी से पहुंचने पर माफी मांगी

● मुंबई / आरएनएन

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को खुद ही मुंबई के ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ गया। जाम के कारण वह 22वें इंडो-अमेरिकन कॉर्पोरेट एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2026 के कार्यक्रम में करीब एक घंटे की देरी से पहुंचे। कार्यक्रम में देरी से पहुंचने के बाद गडकरी ने इसके लिए माफी मांगी।

इसके साथ ही उन्होंने मुंबई और दूसरे शहरों में ट्रैफिक की समस्या से निपटने के लिए पुराने फ्लाईओवर की जगह नई तकनीक अपनाने की जरूरत बताई। गडकरी ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी इस संबंध में सुझाव देने की बात कही। उन्होंने कहा कि पहले बनाए गए कई फ्लाईओवर अब बढ़ते ट्रैफिक के कारण बाधा बन रहे हैं। ऐसे में नई तकनीक की मदद से मल्टी-लेवल फ्लाईओवर बनाने की जरूरत है। गडकरी ने कहा कि भारत जापान को पीछे छोड़कर अमेरिका और चीन के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार बन गया है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाली थी, तब भारत के ऑटोमोबाइल उद्योग का आकार करीब 14 लाख करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 23 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

भारत-अमेरिका के बीच आर्थिक और तकनीकी सहयोग बढ़ाने पर जोर

कार्यक्रम में गडकरी ने भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक और तकनीकी सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के हितधारकों के बीच सहयोग, समन्वय और संवाद बढ़ाने की जरूरत है और इसमें इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह पहचानना जरूरी है कि भारत और अमेरिका की ताकत क्या है और किन क्षेत्रों में दोनों देश मिलकर काम कर सकते हैं। भारत के पास बड़ी क्षमता है, जबकि अमेरिका के पास संसाधन और उन्नत तकनीक है। दोनों की ताकत को साथ लाकर विन-विन स्थिति बनाई जा सकती है। गडकरी ने ज्ञान, इनोवेशन, उद्यमिता, विज्ञान, तकनीक और अनुसंधान को भविष्य की आर्थिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि भविष्य में ज्ञान को संपत्ति में बदलना जरूरी है।

10 लाख की रिश्वत लेते सीजीएसटी के दो अफसर अरेस्ट

● नई दिल्ली

सीबीआई ने महाराष्ट्र में केंद्रीय वस्तु एवं उत्पाद कर (सीजीएसटी) और केंद्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त (सेंट्रल एक्साइज कमिश्नर) कार्यालय में तैनात एक अधीक्षक और सीजीएसटी परामर्शदाता (कन्सल्टेंट) को गिरफ्तार किया है।

दोनों पर एक रियल्टी कंपनी से एक करोड़ रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप है। दोनों को घूस की किस्त के तौर पर 10 लाख रुपये लेते पकड़ा गया। सीबीआई प्रवक्ता ने शनिवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार, महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के न्यू पनवेल स्थित सेक्टर-17 में एक रियल्टी कंपनी दो इमारतों के पुनर्विकास का काम कर रही थी। इन इमारतों मेरे सीजीएसटी और सेंट्रल एक्साइज कमिश्नर रायगढ़ के मालिकाना हक वाले 24 फ्लैट भी हैं। कंपनी के प्रोजेक्ट हेड ने बुधवार को शिकायत दर्ज कराई। इसमें आरोप लगाया कि कार्यालय में तैनात सीजीएसटी अधीक्षक पंकज कुमार ने विभागीय फ्लैट पुनर्विकास के लिए सौंपने की एनओसी जारी करने के बदले एक करोड़ रुपये की मांग की। शिकायत के बाद सीबीआई ने जाल बिछाकर कंपनी कर्मी को 10 लाख रुपये नगद देकर भेजा। बातचीत के दौरान आरोपी पंकज कुमार ने शिकायतकर्ता को वहां मौजूद सीजीएसटी कन्सल्टेंट प्रसाद कुमार स्वामी को रकम सौंपने को कहा। प्रसाद के यह रकम लेते ही सीबीआई ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

सीबीआई ने दोनों को दबोचा

मायावती ने आकाश के बाद ईशान को किया दरकिनार

● लखनऊ

यूपी विधानसभा चुनाव से पहले बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती की पार्टी में सियासी घमासान देखने को मिल रहा है। मायावती अपनी पार्टी से भतीजे आकाश आनंद को फिर से निष्कासित कर दिया है।

इस बीच अटकलें लगाई जा रही थीं कि वे अपने दूसरे भतीजे ईशान को बड़ी जिम्मेदारी दे सकती हैं। हालांकि मायावती ने अब परिवार के किसी भी सदस्य को राजनीतिक लोभ पहुंचाने से स्पष्ट मना कर दिया है। लेकिन उन्होंने अपनी भतीजी दीपिका को मौका देने की भी बात कह दी है। एक बयान के जरिए मायावती ने बताया कि

अब भतीजी दीपिका की मदद लेंगी बीएसपी चीफ

बीएसपी द्वारा बाबा साहेब अम्बेडकर के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान के जिस कारवां को लगातार मजबूत करने व आगे बढ़ाकर सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके अपना उद्धार स्वंय करने योग्य बनाने के मिशन की बात है तो इसकी सफलता हेतु किसी का भी रोड़ा बनना मुझे कतई भी स्वीकार नहीं है। उन्होंने आगे कहा, मुझे केवल अपने बहुजन समाज परिवार के हित, कल्याण व उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने की ही रात-दिन चिंता रहती है अपने किसी भी सगे भाई-बहन व उनके परिवार के युवा सदस्यों, तथा नजदीकी रिश्ते-नातों आदि को भी कांशीराम की तरह मैंने भी, उन्हें पार्टी के कार्यों तक सीमित करके उन्हें सांसदी, विधायकी, मंत्री पद व अन्य किसी भी राजनैतिक लाभ आदि के पदों से हमेशा दूर रखा है।

5 राज्यों के चुनाव में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले 191 प्रत्याशी

पार्टियों ने नहीं बताई टिकट देने की वजह

● नई दिल्ली

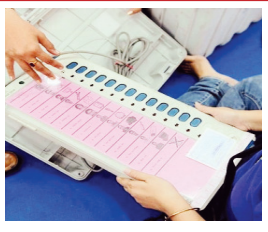

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में आपराधिक मामलों वाले उम्मीदवारों को टिकट देने के कारण बताने में राजनीतिक दलों की ओर से नियमों का पालन नहीं किया गया। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने 51 राजनीतिक दलों के 3,539 उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण किया। इनमें 1,405 उम्मीदवारों ने अपने हलफनामे में आपराधिक मामले घोषित किए थे। इनमें से 191 उम्मीदवारों के लिए जरूरी कारण सार्वजनिक नहीं किए गए। एडीआर के मुताबिक, राजनीतिक दलों ने 1,214 उम्मीदवारों के लिए फॉर्मेट सी-7 में जरूरी जानकारी जारी की थी। वहीं 191 यानी 14 प्रतिशत उम्मीदवारों के लिए यह जानकारी उपलब्ध नहीं थी।

किन राज्यों में कितने उम्मीदवारों की नहीं मिली जानकारी

असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों के साथ केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के चुनाव में कुल 8,848 उम्मीदवार मैदान में थे। एडीआर ने इन चुनावों में 51 राजनीतिक दलों की ओर से उतारे गए 3,539 उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण किया। तमिलनाडु में 72 उम्मीदवार ऐसे थे, जिनके लिए सी-7 खुलासा उपलब्ध नहीं था। पश्चिम बंगाल में 55, केरल में 27, पुडुचेरी में 12 और असम में 10 उम्मीदवारों के लिए यह जानकारी उपलब्ध नहीं थी। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, सी-7 खुलासे का मकसद मतदाताओं को यह बताना है कि किसी उम्मीदवार के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज होने के बावजूद पार्टी ने उसे टिकट क्यों दिया। साथ ही यह भी बताना है कि आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं रखने वाले किसी दूसरे उम्मीदवार को टिकट क्यों नहीं दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने 2020 में राजनीतिक दलों को निर्देश दिया था कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों के चयन के 72 घंटे के भीतर उन्हें टिकट देने के कारण सार्वजनिक किए जाएं।

राज्यवार क्या है आंकड़ा

- तमिलनाडु में एडीआर ने 1,162 उम्मीदवारों का विश्लेषण किया। इनमें 473 ने आपराधिक मामले घोषित किए थे। इनमें 72 उम्मीदवारों के लिए जरूरी खुलासा उपलब्ध नहीं था।
- पश्चिम बंगाल में 1,516 उम्मीदवारों में से 559 ने आपराधिक मामले घोषित किए थे। इनमें 55 उम्मीदवारों के लिए आवश्यक जानकारी उपलब्ध नहीं थी।
- केरल में विश्लेषण किए गए 431 उम्मीदवारों में 268 ने आपराधिक मामले घोषित किए थे। इनमें 27 उम्मीदवारों के लिए सी-7 खुलासा उपलब्ध नहीं था।
- असम में 318 उम्मीदवारों में से 66 ने आपराधिक मामले घोषित किए थे। इनमें 10 उम्मीदवारों के लिए जरूरी सी-7 खुलासा उपलब्ध नहीं था।
- पुडुचेरी में विश्लेषण किए गए 112 उम्मीदवारों में से 39 यानी 35 प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए थे। इनमें 12 यानी 31 प्रतिशत उम्मीदवारों के लिए टिकट देने के कारण सार्वजनिक किए गए थे।

एक जैसे कारण देने का भी दावा – एडीआर ने पाया कि आपराधिक मामलों वाले उम्मीदवारों को टिकट देने के लिए राजनीतिक दलों की ओर से दिए गए कारण कई मामलों में एक जैसे या दोहराए गए थे। कई बार कारण उम्मीदवार की व्यक्तिगत स्थिति के मुताबिक अलग-अलग नहीं थे। खुलासों में आमतौर पर उम्मीदवार की सार्वजनिक छवि, सामाजिक कार्य, अनुभव, लोकप्रियता, योग्यता और सीट के लिए उपयुक्तता जैसे कारण बताए गए। हालांकि, कई मामलों में कई उम्मीदवारों के लिए एक ही शब्दावली का इस्तेमाल किया गया।

जामिया में हॉस्टल मेस पर हंगामा

● नई दिल्ली

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के जम्मू-कश्मीर गर्ल्स हॉस्टल में खाने की खराब क्वॉलिटी और गंदगी से नाराज स्टूडेंट्स ने शनिवार को करीब 5 घंटे प्रदर्शन किया। शुक्रवार रात डिनर में एक स्टूडेंट की प्लेट में कीड़ा मिलने के बाद गुस्सा भड़का।

खाने में कीड़ा मिलने पर भड़कीं छात्राएं, गेट पर 5 घंटे किया प्रदर्शन

स्टूडेंट्स गेट नंबर 13 यानी सेंटेनरी गेट पर धरने पर बैठ गईं और जमकर नारेबाजी की। खाने में कभी कीड़ा, कभी मक्खी, कभी कांच, कभी सड़ा अंडा निकलने की शिकायत करने पर भी कोई ऐक्शन नहीं होने की बात सामने आई। देर रात करीब 3 बजे प्रशासन ने मांगें मानने का लिखित आश्वासन दिया, जिसके बाद धरना खत्म किया। स्टूडेंट्स का कहना है कि खाने में कीड़े की शिकायत कई दिनों से की जा रही है। एक महीने से ज्यादा समय से शिकायतें दी जा रही हैं। स्टूडेंट फातिमा ने बताया कि उनके खाने में कीड़ा मिला। कुछ और स्टूडेंट्स की प्लेट में भी कीड़े मिले। आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई।

एक अन्य स्टूडेंट ने बताया कि मेस कर्मचारियों से शिकायत करने पर कोई रिस्पॉन्स नहीं मिलता। वॉर्डन से शिकायत पर भी सिर्फ आश्वासन मिला। देर रात मेस वेंडर ने इस्तीफा भी दे दिया। शुक्रवार रात एक बार फिर से लड़कियों का प्रदर्शन सेंटेनरी गेट पर शुरू हुआ। उन्होंने बताया कि लिखित आश्वासन के बावजूद प्रशासन ने ठेकेदार को नहीं हटाया। देर रात जारी प्रदर्शन के बीच गेट की लाइट्स भी बंद कर दी गई।

ईवीएम में जनता का फैसला, रिसॉर्ट्स में पार्षदों की पहरेदारी...

मतदान थमा तो शुरू हुआ जोड़-तोड़ का दौर, भाजपा के बाद कांग्रेस ने भी की बाड़ेबंदी

महापौर की कुर्सी के लिए सियासी घेराबंदी तेज, नेता रिसॉर्ट्स में ढूंढ रहे ताज का रास्ता

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । शहर की जनता ने अपना फैसला ईवीएम में बंद कर दिया है। अब मशीनों के खुलने का इंतजार है, लेकिन राजनीतिक दलों के लिए चुनाव अभी खत्म नहीं हुआ। मतदान रुकते ही भीलवाड़ा नगर निगम की सत्ता के लिए पर्दे के पीछे का खेल शुरू हो गया है। महापौर की कुर्सी किसके हिस्से आएगी, इसका गणित अब सिर्फ भाजपा और कांग्रेस की सीटों से तय नहीं होगा। निर्दलीयों की संख्या, करीबी मुकाबलों वाले वार्ड और संभावित क्रॉस वोटिंग ने दोनों प्रमुख दलों की चिंता बढ़ा दी है। यही वजह है कि भाजपा के बाद कांग्रेस ने भी अपने संभावित पार्षदों की बाड़ेबंदी शुरू कर दी है। ईवीएम में बंद जनादेश अभी सार्वजनिक नहीं हुआ, लेकिन दोनों खेमे अपने-अपने हिसाब से सीटों का आकलन करने में जुटे हैं।

जिन वार्डों में मुकाबला कांटे का माना जा रहा है, वहां के प्रत्याशियों पर खास नजर है। परिणाम आने से पहले ही यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि कौन जीत की स्थिति में है और कौन किस खेमे के करीब जा सकता है। बहुमत के आंकड़े और संभावित समीकरणों को लेकर राजनीतिक दलों ने अपने-अपने स्तर पर कवायद शुरू कर दी है। ऐसे में चुनाव मैदान में उतरे पार्षद अब सिर्फ प्रत्याशी नहीं, बल्कि महापौर के चुनाव में निर्णायक मोहरे बन गए हैं। नगर निगम के 70 वार्डों में मतदान के बाद अब निगाहें मतगणना पर टिकी हैं। किस दल को कितनी सीटें मिलती हैं और कितने निर्दलीय प्रत्याशी जीतकर आते हैं, इसी पर निगम की अगली सत्ता का गणित निर्भर करेगा। खास तौर पर निर्दलीय पार्षदों की भूमिका अहम मानी जा रही है। किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने की स्थिति में इनकी राजनीतिक अहमियत अचानक बढ़ सकती है। मतदान खत्म होते ही राजनीतिक दलों ने संभावित जीत-हार के आंकड़ों पर मंथन शुरू कर दिया है। प्रत्याशियों और स्थानीय नेताओं से लगातार फीडबैक लिया जा रहा है। वार्डवार समीकरणों को खंगाला जा रहा है और संभावित विजेताओं से संपर्क साधने की कोशिशें भी तेज होने की चर्चा है। हालांकि अंतिम तस्वीर मतगणना के बाद ही साफ होगी। महापौर पद के चुनाव में पार्षदों की भूमिका निर्णायक होने के कारण राजनीतिक दल अपने खेमे को एकजुट रखने में जुटे हैं। भाजपा की ओर से प्रत्याशियों को जयपुर भेजे जाने के बाद बाड़ेबंदी की चर्चा तेज हुई है। दूसरी ओर कांग्रेस भी परिणामों के बाद संभावित समीकरणों पर नजर बनाए हुए है। रिसॉर्ट्स में पार्षदों को साथ रखने की कवायद को इसी सियासी रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। नगर निगम के चुनावी मैदान में बड़ी संख्या में निर्दलीय प्रत्याशियों के उतरने से दोनों प्रमुख दलों के समीकरण उलझे हुए हैं। 154 निर्दलीय प्रत्याशियों की मौजूदगी ने मुकाबले को कई वार्डों में त्रिकोणीय और बहुकोणीय बनाया। इनमें से कितने जीतकर निगम पहुंचते हैं, यही तय करेगा कि महापौर के चुनाव में उनकी भूमिका कितनी बड़ी होगी। मतदाताओं ने अपना फैसला सुना दिया है। अब ईवीएम खुलने के साथ ही यह स्पष्ट होगा कि किस दल को सत्ता की चाबी मिलती है। लेकिन यदि आंकड़े किसी एक दल के पक्ष में स्पष्ट बहुमत नहीं देते हैं तो महापौर की कुर्सी तक पहुंचने का रास्ता निर्दलीयों और संभावित राजनीतिक समर्थन से होकर गुजर सकता है। 14 सितंबर को मतगणना के साथ ईवीएम जनता का फैसला सुनाएगी, लेकिन महापौर की कुर्सी किसके हिस्से आएगी-इसका सियासी खेल उससे पहले ही शुरू हो चुका है। फिलहाल स्थिति यह है कि जनता का फैसला ईवीएम में बंद है और राजनीतिक दल अपने-अपने संभावित पार्षदों को सुरक्षित ठिकानों पर रखने में जुटे हैं। चुनाव मैदान में वोटों की लड़ाई खत्म हो चुकी है, लेकिन निगम की सत्ता के लिए सियासी मुकाबला अब नए दौर में प्रवेश कर चुका है। चुनाव परिणाम के बाद जिस दल के पास बहुमत का आंकड़ा होगा, उसके लिए रास्ता आसान रहेगा। लेकिन यदि सीटों का गणित बहुमत से नीचे रहा तो निर्दलीयों और संभावित बागियों की भूमिका अचानक बढ़ जाएगी। ऐसे में महापौर की कुर्सी तक पहुंचने के लिए सिर्फ चुनाव जीतना पर्याप्त नहीं होगा-पार्षदों को साथ रखना, समर्थन जुटाना और अंतिम क्षण तक सियासी समीकरण साधना ही सबसे बड़ी चुनौती होगी।

भीलवाड़ा टेक्सटाइल मार्केट एसोसिएशन डी-ब्लॉक का सेवा अभियान, 251 लोगों को मिला नि:शुल्क उपचार

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने की आंखों की रोशनी की जांच, दिया आवश्यक परामर्श, चश्मे-दवा तक का मिला लाभ

भीलवाड़ा । सामाजिक सरोकारों को समर्पित भीलवाड़ा टेक्सटाइल मार्केट एसोसिएशन डी-ब्लॉक क्षेत्र की ओर से नि:शुल्क नेत्र जांच एवं चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और विशेषज्ञ चिकित्सकों से आंखों की जांच करवाई। कुल 251 रोगियों को जांच, चिकित्सा परामर्श के साथ जरूरत के अनुसार नि:शुल्क चश्मे एवं दवाइयों का लाभ मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ एसोसिएशन अध्यक्ष प्रमोद कुमार गोयल, सचिव रवि पचेरीवाल, कोषाध्यक्ष प्रदीप झुनझुनवाला एवं डॉ. गौरी देवस्थली ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की आंखों की जांच की और उनकी समस्या के अनुसार आवश्यक चिकित्सा परामर्श दिया। जिन मरीजों को चश्मे अथवा दवाइयों की आवश्यकता पाई गई, उन्हें शिविर में ही नि:शुल्क चश्मे एवं दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। इससे आर्थिक रूप से जरूरतमंद लोगों को विशेष राहत मिली। शिविर में पहुंचे लोगों ने एसोसिएशन की इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाजसेवा की दिशा में उपयोगी कदम बताया। शिविर में गजानन गुप्ता, दिनेश बाहेती, हरीश साह, मुकेश अग्रवाल, सुभाष मोटवानी, नरेंद्र पिंचा, मुकेश समंदानी, राकेश बाहेती, वरुण सरावगी, अनिल साड़, दिनेश भदादा, सतीश भदादा, देवानंद फुलवानी, सुशील काटनिया एवं श्रवण जिंदल सहित एसोसिएशन के अनेक सदस्य मौजूद रहे। एसोसिएशन अध्यक्ष प्रमोद कुमार गोयल ने शिविर की सफलता में सहयोग देने वाले चिकित्सकों, सदस्यों एवं सभी सहयोगियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन सामाजिक दायित्वों के प्रति प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी समाजहित एवं जनकल्याण से जुड़े ऐसे सेवा कार्य निरंतर किए जाएंगे। 251 रोगियों को नि:शुल्क नेत्र जांच, आवश्यक चश्मे और दवाइयों का लाभ मिलना शिविर की सफलता को दर्शाता है।

थलखुर्द जाल का खेड़ा संपर्क सड़क पर झाड़ियां बनीं मुसीबत

50 से अधिक स्कूली विद्यार्थियों की सुरक्षा पर मंडरा रहा खतरा, ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल सफाई की उठाई मांग

स्मार्ट हलचल

मांडलगढ़। मांडलगढ़ पंचायत समिति क्षेत्र की ग्राम पंचायत थलकलां के राजस्व गांव थलखुर्द से जाल का खेड़ा जाने वाली एकमात्र प्रमुख संपर्क सड़क इन दिनों बिलायती बबूल, गाजर घास और अन्य खरपतवार की घनी झाड़ियों से अटी पड़ी है। सड़क के दोनों ओर झाड़ियां फैल जाने से मार्ग कई स्थानों पर संकरा हो गया है, जिससे ग्रामीणों और राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे गंभीर स्थिति जाल का खेड़ा से प्रतिदिन राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय थलखुर्द आने वाले 50 से अधिक छात्र छात्राओं को लेकर बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि छोटे विद्यार्थी इसी मार्ग से पैदल ही विद्यालय पहुंचते हैं। सड़क किनारे घनी झाड़ियों के कारण उन्हें रास्ते से निकलने में परेशानी होती है और बरसात के मौसम में झाड़ियों के बीच जहरीले जीव जंतुओं के छिपे होने की आशंका भी बनी रहती है। बरसात के बाद गाजर घास, बिलायती बबूल और अन्य खरपतवार तेजी से बढ़ने से समस्या और गंभीर हो गई है। कई जगह झाड़ियां सड़क की ओर फैल आई हैं। इससे पैदल चलने वाले विद्यार्थियों और राहगीरों को किनारे से निकलना पड़ता है। दोपहिया वाहन चालकों को भी सामने से वाहन आने पर सावधानी बरतनी पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय

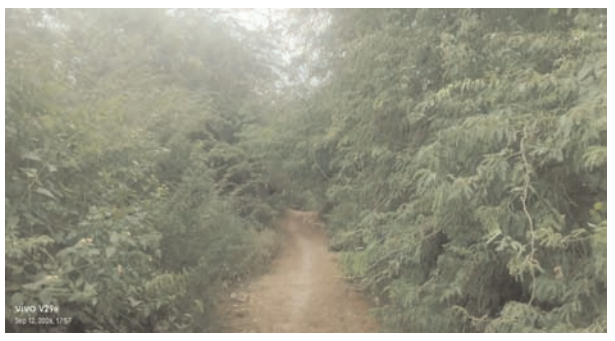

रहते झाड़ियों की कटाई और सफाई नहीं कराई गई तो आने वाले दिनों में मार्ग पर आवागमन और अधिक मुश्किल हो सकता है। सामाजिक कार्यकर्ता नन्दलाल गुर्जर ने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि थलखुर्द जाल का खेड़ा मार्ग केवल ग्रामीणों के आवागमन का रास्ता नहीं, बल्कि प्रतिदिन विद्यालय आने जाने वाले विद्यार्थियों के लिए भी महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। इसलिए इसकी साफ सफाई को सामान्य समस्या मानकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने संबंधित विभाग से मांग की कि मौके पर अधिकारियों को भेजकर सड़क की स्थिति का निरीक्षण कराया जाए तथा जेसीबी मशीन एवं आवश्यक संसाधनों के माध्यम से सड़क के दोनों ओर उगी बिलायती बबूल, गाजर घास और अन्य झाड़ियों को पूरी तरह हटाया जाए। साथ ही सड़क की पटरी को भी साफ कराया जाए, ताकि मार्ग पर्याप्त चौड़ा और सुरक्षित हो सके। नन्दलाल गुर्जर ने कहा कि बरसात के मौसम में झाड़ियों के बीच जहरीले जीव जंतुओं के छिपे होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सफाई कार्य में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से सफाई के बाद मार्ग की नियमित निगरानी और समय समय पर झाड़ियों की कटाई की स्थायी व्यवस्था करने की भी मांग की। थलखुर्द और जाल का खेड़ा के बीच यही प्रमुख संपर्क मार्ग है, इसलिए इसकी बदहाल स्थिति का सीधा असर दोनों गांवों के लोगों पर पड़ रहा है। प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की उम्मीद जताते हुए मांग की है कि सड़क को साफ, सुरक्षित और सुगम बनाया जाए, ताकि विद्यार्थियों का विद्यालय आवागमन सुरक्षित हो और ग्रामीणों को भी निर्बाध आवागमन की सुविधा मिल सके।

टूटे सुदर्शनपुरा एनिकट से बढ़ी ग्रामीणों की मुसीबत 2 किमी का सफर हुआ 10 किमी लंबा, प्रशासन मौन

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा (भीलवाड़ा)-। शाहपुरा- ग्राम पंचायत सरदारपुरा स्थित सुदर्शनपुरा का मुख्य एनिकट टूट जाने से आसपास के आधा दर्जन से अधिक गांवों का संपर्क पूरी तरह कट गया है। एनिकट टूटे हुए पूरा एक महीना बीत जाने के बाद भी मरम्मत कार्य शुरू न होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

खेतों तक पहुंचना हुआ दुभर

एनिकट टूटने के कारण किसानों और ग्रामीणों को अपने ही खेतों तक पहुंचने के लिए 10 किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाकर अरनिया घोड़ा

होकर जाना पड़ रहा है। जिस दूरी को ग्रामीण पहले मात्र 2 किलोमीटर में

तय कर लेते थे, उसके लिए अब 10 किलोमीटर का लंबा सफर तय करना पड़ रहा है। इससे न केवल समय की बर्बादी हो रही है, बल्कि ईंधन और पैसे का भी भारी नुकसान हो रहा है।

कई महत्वपूर्ण गांवों का संपर्क टूटा

यह एनिकट रास्ता केवल खेतों तक सीमित नहीं है, बल्कि सरदारपुरा पंचायत मुख्यालय को सुदर्शनपुरा, सांखलिया और श्रीनगर से जोड़ता है। इसके अलावा, कनेचन कलां के ग्रामीणों के लिए भी शाहपुरा तहसील मुख्यालय जाने का यही प्रमुख और सीधा मार्ग है। रास्ता बंद होने से स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों की चेतावनी

स्थानीय निवासियों का कहना है कि वे इस समस्या को लेकर कई बार जिम्मेदार अधिकारियों को अवगत करा चुके हैं, लेकिन एक महीना बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द एनिकट की मरम्मत कराकर रास्ता चालू नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन और तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। दलीचन्द गुर्जर, रोडू माली, जगदीश माली, किशन माली, रामस्वरूप कुमावत, हंसराज गुर्जर, परमेश्वर बैरवा आदि ग्रामीण मौजूद रहे है।

तिलस्वां महादेव की एक झलक को घंटों इंतजार, उमड़ा श्रद्धालुओं का रेला

भाद्रपद अमावस्या पर मंदिर में दिनभर रही भीड़, ट्रस्ट ने संभाली दर्शन व्यवस्था, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन और विशेष पूजा-अर्चना

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । भाद्रपद अमावस्या पर तिलस्वां महादेव मंदिर आस्था के रंग में रंगा नजर आया। अलसुबह से ही दूर-दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया और कुछ ही देर में मंदिर परिसर भक्तों से भर गया। हर-हर महादेव के जयकारों के बीच श्रद्धालु कतारों में खड़े होकर घंटों इंतजार के बाद भगवान शिव के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए अपनी बारी का इंतजार करते रहे। इस अवसर पर तिलस्वां महादेव मंदिर ट्रस्ट की ओर से विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। विद्वान आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव का विशेष जलाभिषेक कराया तथा हवन संपन्न करवाया। श्रद्धालुओं ने ललाट पर केसर का तिलक धारण कर शिव नाम का स्मरण किया और भगवान महादेव के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। तिलस्वां महादेव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष रमेश चन्द अहीर एवं सचिव मांगीलाल धाकड़ ने बताया कि भाद्रपद अमावस्या का क्षेत्र में विशेष धार्मिक महत्व है। इसी आस्था के चलते आसपास के गांवों के साथ दूर-दराज से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। दिनभर मंदिर परिसर शिवभक्ति के जयकारों से गूंजता रहा और पूरा वातावरण धर्ममय बना रहा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर ट्रस्ट प्रशासन की ओर से सुगम दर्शन, कतार प्रबंधन और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए। व्यवस्थाओं के चलते श्रद्धालुओं ने बिना परेशानी के मंदिर में प्रवेश कर पूजा-अर्चना की और भगवान शिव के दर्शन किए।

सत्संग से बदलती है सोच, संतों का संग भवसागर से तारता है

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) प्रेम प्रकाश आश्रम में गोन्दिया के संत भोलाराम जी ने कहा कि सद्गुरु और संतों का संग मनुष्य को भवसागर से पार लगाता है। सत्संग का अवसर भाग्यशाली लोगों को मिलता है। नियमित सत्संग से मन संसार से हटकर अध्यात्म की ओर बढ़ता है। उन्होंने मीरा की भक्ति का उदाहरण देते हुए कहा कि भगवान और गुरु की भक्ति में विष का प्याला भी अमृत बन गया। संत ने भजन 'आनंद है आनंद है, आनंद में रहेंगे' सुनाया तो श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे। अंत में आरती, पल्लव और प्रसाद वितरण हुआ। संत भोलाराम के पहुंचने पर प्रेम प्रकाश सेवा मंडली ने स्वागत किया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

साइबर अपराध पर राजस्थान पुलिस का सख्त प्रहार : समीक्षा बैठक में डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने दिए बड़े निर्देश

अक्टूबर माह में चलेगा साइबर अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान; म्यूल अकाउंट्स और फर्जी सिम पर कसेगा शिकंजा

साइबर ठगों के नेटवर्क को ध्वस्त करने में जुटी राज्य पुलिस; सभी जिलों में डीएसपी स्तर के अधिकारी तैनात

स्मार्ट हलचल

जयपुर । महानिदेशक पुलिस राजस्थान श्री राजीव कुमार शर्मा ने शनिवार को कांफ्रेंस हॉल में जयपुर कमिश्नरेट एवं जयपुर ग्रामीण जिले की साइबर अपराध समीक्षा बैठक लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक में साइबर अपराध को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इसकी रोकथाम, त्वरित अनुसंधान और साइबर अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में जयपुर कमिश्नरेट के सभी पुलिस उपायुक्तों, डीसीपी क्राइम, साइबर क्राइम से जुड़े पुलिस अधिकारियों एवं थानाधिकारियों सहित जयपुर रेंज

आईजी राहुल प्रकाश, जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक तथा वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र में साइबर अपराध की स्थिति, लंबित प्रकरणों और साइबर अपराध नियंत्रण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। डीजीपी श्री राजीव कुमार शर्मा ने साइबर अपराध की बढ़ती चुनौती को देखते हुए साइबर क्राइम से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई, तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग, अपराधियों के नेटवर्क तक पहुंचने और आमजन को साइबर ठगी से बचाने के लिए जागरूकता गतिविधियों को और मजबूत करने के निर्देश दिए। डीजीपी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि साइबर अपराध के मामलों में पुलिस की प्रतिक्रिया जितनी तेज होगी, पीड़ित की राशि वापस दिलाने और अपराधियों तक पहुंचने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। इसलिए शिकायत मिलते ही तकनीकी एवं वित्तीय ट्रेल का तत्काल विश्लेषण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही साइबर अपराध के नए तरीकों पर लगातार नजर रखते हुए पुलिसकर्मियों को अपडेट रखने पर भी जोर दिया गया।

हर जिले में डीएसपी स्तर के अधिकारी संभाल रहे कमान

बैठक के दौरान जानकारी दी गई कि साइबर अपराधों की जांच में तेजी लाने और उन पर सख्त नियंत्रण के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारियों को विशेष रूप से तैनात किया गया है।

सितंबर माह साइबर सुरक्षा माह के रूप में आयोजित

सितंबर माह को साइबर सुरक्षा माह के रूप में मनाए जाने के क्रम में सामने आ रहे प्रमुख साइबर अपराधों पर गहन मंथन किया गया। बैठक में विशेष रूप से म्यूल अकाउंट्स, एटीएम से अवैध निकासी, संदिग्ध बैंक शाखाओं की भूमिका, फर्जी सिम तथा क्रिप्टोकरेंसी फ्रॉड जैसे गंभीर मामलों पर विस्तृत चर्चा की गई और ठोस कार्ययोजना तैयार की गई।

अक्टूबर माह में चलेगा साइबर अपराध पर विशेष अभियान

डीजीपी श्री राजीव कुमार शर्मा ने साइबर अपराध पर नियंत्रण को पुलिस प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए अक्टूबर माह में पूरे प्रदेश में विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया है। इस अभियान के मुख्य बिंदु निम्नलिखित रहेंगे:

साइबर अपराधियों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध कड़े कानूनी कदम उठाए जाएंगे और मामलों का शीघ्र निस्तारण होगा।

वित्तीय अनियमितताओं और संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त बैंकिंग ब्रांचों पर पुलिस की पैनी निगरानी रहेगी।

फर्जी सिम जारी करने वाले Point of Sale (PoS) एजेंटों और विक्रेताओं के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त किया जाएगा।

साइबर ठगी की अवैध राशि को एक खाते से दूसरे खाते में घुमाने के लिए इस्तेमाल होने वाले म्यूल अकाउंट्स पर प्रभावी अंकुश लगाया जाएगा।

बैठक में ये पुलिस अधिकारी रहे मौजूद

इस महत्वपूर्ण बैठक में पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था श्री संजय अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था श्री वी.के. सिंह, पुलिस आयुक्त जयपुर श्री सचिन मित्तल, महानिरीक्षक पुलिस (जयपुर रेंज) श्री राहुल प्रकाश, उप महानिरीक्षक (साइबर क्राइम) श्री शांतनु कुमार तथा उप महानिरीक्षक (कार्मिक एवं स्टाफ ऑफिसर) श्री कुंवर राष्ट्रदीप उपस्थित थे। इनके साथ ही जयपुर आयुक्तालय के सभी पुलिस उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण, पुलिस अधीक्षक आर4सी एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया।

रामद्वारा में आज से भक्ति का विराट संगम, 108 मूल भागवत पाठ का ऐतिहासिक आयोजन

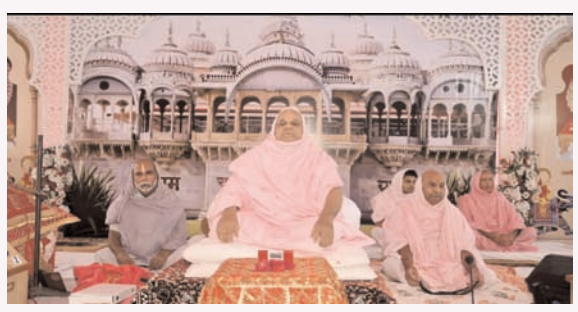

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) माणिक्यनगर रामद्वारा में रविवार से श्रीमद् भागवत ज्ञान सप्ताह का भव्य आगाज होगा। 20 सितम्बर तक चलने वाले आयोजन में आचार्य स्वामी श्रीरामदयालजी महाराज के सानिध्य में 108 मूल भागवत पाठ होंगे। पुष्कर से आए 108 वेदपाठी विद्वान पाठ करेंगे, जबकि 108 यजमान परिवार भागवत का पूजन करेंगे। भागवत कथा का वाचन संत मनोरथराम रामजी मचलाना करेंगे। प्रतिदिन कथा और श्रीवाणी के प्रवचन होंगे। देश-विदेश से श्रद्धालु आयोजन में शामिल होने पहुंच रहे हैं। विदेशों में रहने वाले भक्तों के लिए 108 मूल भागवत के ऑनलाइन पूजन की व्यवस्था भी की गई है। आचार्य रामदयालजी महाराज ने कहा कि दुनिया से अपेक्षा रखने के बजाय धर्म और भक्ति की पालना जरूरी है। स्वामी रामचरण महाराज ने आत्मानंद की प्राप्ति के लिए राम नाम को साधन बताया है। उन्होंने 'नित्य गुरु वाणी' पुस्तक का विमोचन कर श्रद्धालुओं को नियमित पाठ की प्रेरणा दी। आयोजन के लाइव प्रसारण के लिए स्कैनर कोड भी जारी किया गया।

राजस्थान पुलिस का नशा तस्करों पर बड़ा प्रहार : राजस्थान में 73.64 करोड़ रुपये की अवैध संपत्तियां कुर्क व सीज

राजस्थान में 68-एफ के तहत बड़ा एक्शन; 38 मामलों में वित्तीय जब्ती के आदेश जारी

तस्करों की आर्थिक रीढ़ तोड़ने को प्रतिबद्ध पुलिस प्रशासन, डीजीपी बोले- नशीली दवाओं की कमाई से खड़ी हर संपत्ति होगी जब्त

स्मार्ट हलचल

जयपुर महानिदेशक पुलिस राजस्थान श्री राजीव कुमार शर्मा के कड़े निर्देशों पर प्रदेश भर में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले कुख्यात अपराधियों और नशा माफियाओं के खिलाफ़ बड़ी और ऐतिहासिक कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। राजस्थान में एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ (सफेमा) के तहत चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत राज्य पुलिस ने नशा तस्करों द्वारा अवैध कमाई से खड़ी की गई कुल 73 करोड़ 64 लाख 64 हजार 948 रुपये की चल और अचल संपत्तियों को कुर्क, फ्रीज व सीज करने में सफलता हासिल की है। महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा ने स्पष्ट किया है कि राज्य में नशे के काले कारोबार को जड़ से उखाड़ने के लिए तस्करों के वित्तीय नेटवर्क और उनकी आर्थिक रीढ़ को पूरी तरह से ध्वस्त करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

38 इस्तगासों पर कुर्की के आदेश स्वीकृत

एएनटीएफ के आईजी विकास कुमार ने बताया कि प्रदेश भर के विभिन्न जिलों में आदतन और कुख्यात तस्करों के खिलाफ कुल 63 इस्तगासे तैयार कर सक्षम प्राधिकारी को भेजे गए थे। पुलिस मुख्यालय के स्तर से की गई निरंतर मॉनिटरिंग के परिणामस्वरूप इनमें से 38 इस्तगासों पर सक्षम स्तर से कुर्की और जब्ती के अंतिम आदेश स्वीकृत किए जा चुके हैं, जबकि 25 मामलों में प्राधिकार स्तर पर विधिक प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

तस्करों के मकान से लेकर गाड़ियों और जमीन तक पर कार्रवाई

आईजी विकास कुमार ने बताया कि धारा 68-एफ के तहत पुलिस ने मादक पदार्थों के कारोबार से अर्जित अथवा उससे जुड़ी संदिग्ध संपत्तियों को चिन्हित कर मकान, निर्माणाधीन दुकान, कृषि भूमि, आवासीय भूखंड, कार, पिकअप, ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल सहित विभिन्न परिसंपत्तियों पर कार्रवाई की है।

करोड़ों की संपत्ति पर चला 68-एफ का शिकंजा

इस राज्य स्तरीय कार्रवाई के तहत चित्तौड़गढ़, झालावाड़, बारां, प्रतापगढ़, जोधपुर ग्रामीण, नागौर और बीकानेर सहित कई जिलों में तस्करों द्वारा अपराध की कमाई से बनाए गए आलीशान बंगलों, निर्माणाधीन परिसरों, कृषि भूमियों और लग्जरी गाड़ियों पर कड़ा शिकंजा कसा गया है।

चित्तौड़गढ़ जिला: 20.35 करोड़ रुपये की जब्ती

चित्तौड़गढ़ जिले में पुलिस ने 68-एफ के तहत सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए स्वीकृत इस्तगासों के तहत 20,35,40,783 रुपये की संपत्तियां सीज की हैं। इसमें गंगरार निवासी तस्कर राहुल बंजारा की 18,79,83,324 रुपये की संपत्ति, कमलेश गुर्जर की 46,44,876 रुपये, बाल किशन धाकड़ की 46,23,558 रुपये, रामेश्वर लाल अहीर की 29,58,481 रुपये, मोहम्मद उस्मान की 28,00,000 रुपये, रतनलाल जाट की 22,79,767 रुपये और सुरेश चंद्र जाट की 12,30,778 रुपये की चल-अचल संपत्तियों की कुर्की सक्षम स्तर से स्वीकृत की जा चुकी है।

बारां जिला: 18.48 करोड़ रुपये की संपत्तियां सीज

बारां जिले में नशा तस्करों द्वारा बनाई गई काली कमाई पर पुलिस का कड़ा शिकंजा कसा है। यहां राजाराम मीणा व रामगोपाल की 5,83,00,000 रुपये, दिनेश मीणा व सुरेंद्र की 5,83,00,000 रुपये, किशोर कुमार की 5,82,00,000 रुपये, बीरमचंद की 60,26,526 रुपये तथा विशाल सांसी व बल्लू सांसी की 40,30,000 रुपये की फ्रीज की गई संपत्तियों (इस्तगासे में अनुमानित मूल्य 1.10 करोड़ रुपये) के इस्तगासे सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृत हो चुके हैं।

झालावाड़ जिला: 12.65 करोड़ की अवैध संपत्ति पर प्रहार

झालावाड़ जिले में 68-एफ के तहत 9 अपराधियों की अवैध संपत्तियों की जब्ती स्वीकृत की गई है। इसमें मुख्य रूप से बबलू तंवर की 5,59,07,389 रुपये, नरेंद्र सिंह की 1,81,80,882 रुपये, मोहन लाल तंवर की 1,13,97,482 रुपये, सुगनचंद तंवर की 1,02,59,184 रुपये, गनी मोहम्मद की 86,16,440 रुपये, पांचूलाल मीणा की 70,94,487 रुपये, दिनेश सिंह की 66,41,424 रुपये, प्रभूलाल तंवर की 45,45,063 रुपये और रामलाल तंवर की 14,64,740 रुपये की संपत्तियों पर जब्ती के आदेश जारी हो चुके हैं।

प्रतापगढ़ जिला: स्वीकृत मामलों में 8.24 करोड़ रुपये के आलीशान बंगले व वाहन जब्त

प्रतापगढ़ जिले में सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत इस्तगासों के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इनमें शाहजेब उर्फ बल्ला का नवनिर्मित मकान, पोल्ट्री फॉर्म व गाड़ियां (2,10,00,000) रुपये, भुरालाल लबाना (1,65,00,000 रुपये), शेफुल्ला शेख (1,55,00,000 रुपये), असद इकबाल (75,00,000 रुपये), नारायण मीणा (70,00,000 रुपये), अकबर खान (50,00,000 रुपये), शाहरुख खान (43,31,365 रुपये), दिलावर खान (31,18,707 रुपये) और नऊम खान (20,00,000 रुपये) की संपत्तियों की कुर्की पर मुहर लग चुकी है।

नागौर, जोधपुर ग्रामीण व हनुमानगढ़: 3.05 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

नागौर जिले में आरोपी भोपालराम विश्नोई के दो मकानों, दुकान व वाहनों सहित कुल 1,14,09,908 रुपये की संपत्ति की कुर्की स्वीकृत हुई है। जोधपुर ग्रामीण में अनिल विश्नोई की 26 बीघा जमीन व 2 वाहनों कुल मूल्य 1,10,00,000 रुपये की जब्ती स्वीकृत की गई है। हनुमानगढ़ जिले में आरोपी स्वराज उर्फ शिवराज की 81,61,400 रुपये की संपत्ति सीज की गई है।

जालौर, उदयपुर, भीलवाड़ा व जोधपुर पूर्वः स्वीकृत जब्ती का विवरण

जालौर जिले में धोलाराम उर्फ धरिंद्र कुमार की 37,73,124 रुपये और राकेश कुमार विश्नोई की 13,09,800 रुपये की संपत्ति जब्ती स्वीकृत हुई है। उदयपुर जिले में विपिन गिरी गोस्वामी की 26,00,000 रुपये की संपत्ति, भीलवाड़ा के लाभचंद उर्फ लाभू धाकड़ की 50,00,000 रुपये मूल्य की भूमि व ट्रैक्टर तथा जोधपुर पूर्व के रमेश विश्नोई की 15,00,000 रुपये की स्कॉर्पियो गाड़ी की कुर्की के आदेश सक्षम स्तर से स्वीकृत हो चुके हैं।

अपराधियों को डीजीपी की सख्त चेतावनी

डीजीपी श्री राजीव कुमार शर्मा ने पुलिस अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है कि नशीले पदार्थों के कारोबार में लिप्त किसी भी अपराधी को बख्शा न जाए। उन्होंने कहा कि एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ के तहत यह सख्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने राज्य के नागरिकों से भी अपील की है कि वे अपने आस-पास नशे के अवैध कारोबार की सूचना बेझिझक पुलिस को दें, ताकि नशा मुक्त राजस्थान के संकल्प को पूर्ण रूप से साकार किया जा सके।

एएनटीएफ खंगाल रही है नशा तस्करों की कुंडली

आईजी विकास कुमार ने बताया कि राजस्थान में नशा तस्करों पर प्रभावी कार्रवाई करने की दृष्टि से एएनटीएफ द्वारा विशेष अभियान चलाते हुए नशा तस्करों की कुंडली को खंगाला जा रहा है और सूची तैयार कर संबंधित जिला पुलिस अधीक्षकों को कार्रवाई के निर्देश दिए जा रहे हैं । उन्होंने यह भी बताया कि व्यापारिक प्रकृति के प्रकरणों में भी प्रभावी कार्रवाई की जा रही है, दूसरी तरफ प्रत्येक जिले में नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए एसपी कार्यालय में विशेष शाखा का भी गठन किया जा रहा है।

मांडलगढ़ चारागाह भूमि पर कब्जे के प्रयास का आरोप, हरे पेड़ों की कटाई से ग्रामीणों में रोष

महिला ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर जांच और कार्रवाई की मांग की

स्मार्ट हलचल

आकोला । मांडलगढ़ पंचायत समिति क्षेत्र की श्यामगढ़ ग्राम प ंचायत के राजस्व

गांव खंगारजी का खेड़ा में सरकारी चारागाह भूमि पर कथित अवैध कब्जे के प्रयास और हरे-भरे पेड़ों की कटाई का मामला सामने आया है। मामले को लेकर गांव की मंजूदेवी शर्मा पत्नी बालूलाल शर्मा ने मांडलगढ़ तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

61 बीघा से अधिक चारागाह भूमि का मामला

ज्ञापन में मंजूदेवी शर्मा ने आरोप लगाया कि पटवार हल्का फूलजीकीखेड़ी में स्थित सरकारी चारागाह भूमि आराजी संख्या 183, रकबा 61 बीघा 10 बिस्वा पर भगवत सिंह पुत्र श्याम सिंह राजपूत, निवासी खंगारजी का खेड़ा द्वारा कथित रूप से कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। शिकायतकर्ता के अनुसार, चारागाह भूमि पर कब्जे की नीयत से वहां खड़े हरे-भरे खेजड़ी सहित अन्य पेड़ों की कटाई की गई। आरोप है कि चारागाह भूमि के कुछ हिस्से में खेती भी की जा रही है, जबकि शेष क्षेत्र से भी पेड़-पौधों की कटाई किए जाने की बात सामने आई है।

पहले भी कब्जे के प्रयास का आरोप

ज्ञापन में यह भी बताया गया कि उक्त भूमि पर पूर्व में भी कथित रूप से कब्जा करने का प्रयास किया गया था, जिसे ग्रामीणों ने रोक दिया था। अब दोबारा ऐसी गतिविधियों की शिकायत सामने आने से ग्रामीणों में नाराजगी है।

पशुपालकों के लिए महत्वपूर्ण है चारागाह

शिकायतकर्ता का कहना है कि सरकारी चारागाह भूमि गांव के पशुओं के चरने के लिए आरक्षित है। यदि इस भूमि पर अवैध कब्जा या पेड़ों की कटाई जारी रही तो इसका सीधा असर पशुपालकों और ग्रामीणों पर पड़ेगा। चारागाह क्षेत्र में पेड़ों की कटाई से पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचने की बात कही गई है। मंजूदेवी शर्मा ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की मौके पर जांच करवाकर चारागाह भूमि की सीमाओं का सत्यापन कराया जाए, कथित अवैध कब्जा हटाया जाए तथा काटे गए पेड़ों की जांच कर नियमानुसार दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

लाडपुरा में भादवा छठ पर तीन दिवसीय देवनारायण धार्मिक मेले का भव्य आयोजन

16 सितंबर से; शोभायात्रा, भजन संध्या व गवरी नृत्य रहेंगे मुख्य आकर्षण

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा/भीलवाड़ा । भादवा छठ के पावन पर्व के उपलक्ष्य में लाडपुरा क्षेत्र में तीन दिवसीय विशाल भगवान देवनारायण धार्मिक मेले एवं विविध सांस्क ृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन 16 से 18 सितंबर तक किया जाएगा। मेले के आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं और ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। तीन दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक महोत्सव में भक्ति संगीत, लोक संस्कृति और पारंपरिक अनुष्ठानों की त्रिवेणी देखने को मिलेगी।

16 सितंबर को गाजे-बाजे से निकलेगी शोभायात्रा, सजेगी भजनों की महफिल

मेला व्यवस्था कमेटी अध्यक्ष नन्द किशोर सनाढ्य ने जानकारी देते हुए बताया कि मेले के पहले दिन, 16 सितंबर को प्रातः काल भगवान देवनारायण की भव्य शोभायात्रा गाजे-बाजे व अखाड़ों के साथ धूमधाम से निकाली जाएगी। रात्रि में विशाल भजन संध्या एवं जागरण का आयोजन होगा। इस दौरान मुख्य मंच पर 'राघवेंद्र सरकार रामायण मंडल' द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी, वहीं मंदिर परिसर के आंतरिक मंच पर भीलवाड़ा के सुप्रसिद्ध भजन कलाकार ओम वैष्णव अपनी सुमधुर आवाज में भजनों की सरिता बहाएंगे।

17 सितंबर को मुख्य मेला, देवपूजा एवं महाप्रसादी

भादवा छठ के पावन अवसर पर 17 सितंबर को मुख्य मेले का आयोजन होगा। सुबह से ही भगवान देवनारायण की विशेष पूजा-अर्चना व अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक राजस्थान के लोक कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। दोपहर 3:00 बजे हजारों श्रद्धालुओं के लिए विशाल महाप्रसादी (भंडारे) का वितरण होगा। रात्रि में राघवेंद्र सरकार रामायण मंडल, भीलवाड़ा की ओर से धार्मिक व सांस्कृतिक मंचन किया जाएगा।

तीन दिवसीय देवनारायण मेले की कार्यक्रम रूपरेखाः

16 सितंबरः प्रातः गाजे-बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा, रात्रि में जागरण, ओम वैष्णव की भजन संध्या व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां।

17 सितंबर (भादवा छठ): मुख्य मेला, विशेष देवपूजा, पूर्वाह्न 11 से दोपहर 3 बजे तक लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां, दोपहर 3 बजे महाप्रसादी व रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम।

18 सितंबरः सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक पारंपरिक राई का खेल (गवरी नृत्य), शाम 6 बजे मेले का विधिवत समापन।

18 सितंबर को गवरी नृत्य के साथ होगा समापन

मेले के अंतिम दिन 18 सितंबर को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक मेवाड़ व वागड़ की प्रसिद्ध पारंपरिक लोक नाट्य शैली 'राई का खेल' (गवरी नृत्य) का भव्य मंचन किया जाएगा। इसके उपरांत शाम 6:00 बजे तीन दिवसीय धार्मिक मेले का विधिवत समापन होगा। मेला व्यवस्था कमेटी द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां जोरों पर की जा रही हैं।

पर्युषण में भक्ति का रंग, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

संभवनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ भव्य भक्ति संध्या, जयकारों से गूंजा उपासरा

भीलवाड़ा / शहर के बापूनगर स्थित श्री स ंभवनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व की आराधना श्रद्धा और भक्ति के साथ जारी है। पांचवें दिन शनिवार को पूजा-अर्चना के साथ विभिन्न धार्मिक आयोजन हुए। रात 8.15 बजे आयोजित भक्ति संध्या में भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे और परमात्मा के जयकारों से उपासरा गूंज उठा। चौथे दिन की भक्ति संध्या में गोविंद गुरावा ने नवकार भक्ति सहित भजनों की प्रस्तुति दी। इसके बाद चुनौती नाहर ने मेरे मन में पार्श्वनाथ, महावीर बनके, पर्युषण का महीना है, दादा तुझपे भरोसा है सहित एक से बढ़कर एक भजनों से माहौल भक्तिमय कर दिया। अंतिम प्रस्तुति श्रावक ही मेरी पहचान है के जरिए जिनशासन और श्रावक की महिमा का संदेश दिया गया। मंदिर समिति अध्यक्ष मनीष बाफना ने बताया कि पर्युषण पर्व में प्रतिदिन सुबह 7 बजे पक्षाल, केसर पूजा व परमात्मा की अंगरचना, सुबह 9 बजे आरती और रात 8 बजे संध्याकालीन आरती हो रही है। रविवार रात मनीष सोनी भक्ति संध्या में प्रस्तुति देंगे। आजादनगर, शास्त्रीनगर, आरके कॉलोनी व अहिंसा विहार सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु रोजाना पहुंच रहे हैं।

जिले में निकाय चुनाव की मतगणना की तैयारियां पूरी, 14 सितंबर को सुबह 8 बजे से होगी वोटों की गिनती

नगर निगम भीलवाड़ा सहित 10 नगर पालिकाओं के लिए मतगणना स्थल और टेबल निर्धारित, मांडलगढ़ में 4 टेबल पर होगी 20 वार्डों की मतगणना...

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । नगर पालिका आम चुनाव-2026 के तहत नगर निगम एवं नगर पालिकाओं के सदस्य निर्वाचन के लिए सोमवार, 14 सितंबर को सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू होगी। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशन में मतगणना को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया है। नगर निगम भीलवाड़ा के सदस्यों के निर्वाचन के लिए मतगणना राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, तिलक नगर, भीलवाड़ा में होगी। यहां रिटर्निंग अधिकारी के लिए मतगणना कक्ष संख्या 42 तथा सहायक रिटर्निंग अधिकारी के लिए कक्ष संख्या 39 निर्धारित किया गया है। ईवीएम संग्रहण कक्ष संख्या 41 भूतल पर रहेगा। कक्ष संख्या 42 में टेबल संख्या 1 से 18 तक वार्ड संख्या 1 से 35 तथा कक्ष संख्या 39 में टेबल संख्या 1 से 15 तक वार्ड संख्या 36 से 70 की मतगणना की जाएगी। मतगणना स्थल पर पर्यवेक्षक कक्ष, जिला निर्वाचन अधिकारी कक्ष, पुलिस अधीक्षक कक्ष, जिला निर्वाचन शाखा, नियंत्रण कक्ष, कम्प्यूटर कक्ष, सांख्यिकीय सूचनाएं कक्ष, आरक्षित मतगणना दल कक्ष, मीडिया कक्ष, लेखा भुगतान कक्ष, स्टोर कक्ष तथा अल्पाहार एवं सर्किट हाउस व्यवस्था कक्ष सहित विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए अलग-अलग कक्ष निर्धारित किए गए हैं। यातायात प्रकोष्ठ के लिए भी कक्ष निर्धारित किया गया है।

जिले की 10 नगर पालिकाओं के मतगणना स्थल

नगर पालिका बीगोद की मतगणना राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बीगोद, आसींद की राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आसींद, गुलाबपुरा की श्री गांधी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय गुलाबपुरा, गंगापुर की उपखंड कार्यालय गंगापुर परिसर के पीछे स्थित बैठक हॉल (कृषि भवन), हमीरगढ़ की राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान हमीरगढ़, बनेड़ा की राजकीय महाविद्यालय बनेड़ा, शाहपुरा की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शाहपुरा, जहाजपुर की स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल जहाजपुर, मांडलगढ़ की स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल विद्यालय मांडलगढ़ तथा बिजौलिया की राउमावि बिजौलिया में मतगणना होगी।

नगर पालिकावार मतगणना टेबल

बीगोद में 25 वार्डों के लिए 5 टेबल, आसींद में 25 वार्डों के लिए 5 टेबल, गुलाबपुरा में 35 वार्डों के लिए 7 टेबल, गंगापुर में 25 वार्डों के लिए 5 टेबल, हमीरगढ़ में 20 वार्डों के लिए 4 टेबल, बनेड़ा में 20 वार्डों के लिए 4 टेबल, शाहपुरा में 35 वार्डों के लिए 7 टेबल, जहाजपुर में 25 वार्डों के लिए 5 टेबल, मांडलगढ़ में 20 वार्डों के लिए 4 टेबल तथा बिजौलिया में 25 वार्डों के लिए 5 टेबल निर्धारित की गई हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित प्रभारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मतगणना से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मतगणना के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने तथा पूरी प्रक्रिया को निष्पक्षता, पारदर्शिता और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न कराने के निर्देश दिए।

भगवान महावीर स्वामी के जन्मोत्सव पर शांतिभवन में हुआ भव्य आयोजन

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभूपुरा। चित्तोड़गढ़ उपनगरीय क्षेत्र सेन्थी में चातुर्मासिक प्रवचन में प्रेक्षा श्री जी महाराज साहब ने भगवान महावीर स्वामी के जन्म वाचन एवं 14 महास्वप्नों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण में भगवान महावीर स्वामी के जन्मोत्सव का भव्य आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रेक्षा श्री जी महाराज साहब ने भगवान महावीर स्वामी के जन्म प्रसंग का वाचन करते हुए उनके जीवन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण प्रसंगों की विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। महाराज साहब ने भगवान महावीर स्वामी के जन्म से पूर्व दिखाई देने वाले 14 महास्वप्नों, उनके शुभ संकेतों तथा भगवान के जीवन से जुड़े 27 भवों के बारे में श्रद्धालुओं को विस्तार से बताया। प्रवचन के दौरान भगवान महावीर स्वामी के त्याग, तप, संयम, अहिंसा एवं करुणा के संदेश को भी सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया गया।

इस अवसर पर महिलाओं द्वारा भगवान महावीर स्वामी के जन्म नाट्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से भगवान महावीर स्वामी के जन्म प्रसंग को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसे देखकर उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कार्यक्रम के दौरान पूरा वातावरण भगवान महावीर स्वामी के जयकारों एवं धार्मिक भजनों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने बड़ी श्रद्धा एवं भक्ति के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। आयोजन ने भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, संयम और आत्मकल्याण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का सुंदर माध्यम प्रस्तुत किया। इस अवसर सर स्थानीय सहित आसपास के कई गांवों से श्रावक श्राविकाएं पहुंचे, अतिथियों का श्रीसंघ सेन्थी का अभिनन्दन किया।

शांति भंग के आरोप में 13 गिरफ्तार, सात थानों की पुलिस की कार्रवाई...

प्रतापनगर में तीन, कोटड़ी में दो, रायपुर में दो सहित आसींद, फुलिया कलां, भीमगंज व सुभाषनगर में भी कार्रवाई

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) जिले में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए शांति भंग के आरोप में कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 126 से 170 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार जिले के प्रतापनगर, कोटड़ी, रायपुर, आसींद, फुलिया कलां, भीमगंज और सुभाषनगर थाना क्षेत्रों में यह कार्रवाई की गई।

प्रतापनगर थाना पुलिस ने तीन को पकड़ाः
प्रतापनगर थाना पुलिस ने बनवारी लाल सैनी (42) पुत्र नन्दलाल सैनी, निवासी मकान नंबर 366, पटेल नगर, थाना प्रतापनगर, भीलवाड़ा; बिट्ठुसिंह (24) पुत्र हनुमानसिंह कानावत, निवासी चर्च के पास, जवाहरनगर, थाना गांधी नगर, भीलवाड़ा तथा सवाराम (24) पुत्र कला राम, निवासी पला पालन रावछ, उदयपुर, हाल निवासी सुभाषनगर, थाना सुभाषनगर, भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया। तीनों के खिलाफ धारा 126-170 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की गई।

कोटड़ी में दो महिलाएं गिरफ्तारः
कोटड़ी थाना पुलिस ने पूजा बाच्छड़ा (27) पत्नी अर्जुन बाच्छड़ा, जाति बाच्छड़ा, निवासी पिपलिया रुडी, थाना मनासा, मध्यप्रदेश तथा किरण (26) पत्नी कान्हा बाच्छड़ा, जाति बाच्छड़ा, निवासी चारभुजा ढण्डेरी, थाना मनासा, मध्यप्रदेश को गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ धारा 126-170 बीएनएसएस में कार्रवाई की गई।

रायपुर पुलिस ने दो युवकों को पकड़ाः
रायपुर थाना पुलिस ने कन्हैयादास (30) पुत्र दोलादास, जाति वैष्णव, निवासी छातोल, थाना रायपुर, जिला भीलवाड़ा तथा गणेश (22) पुत्र देवीलाल, जाति भील, निवासी सुरास रोड, रायपुर, थाना रायपुर, जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ धारा 126-170 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की गई।

आसींद में एक गिरफ्तारः
आसींद थाना पुलिस ने नारायणलाल (25) पुत्र उकार, जाति खारोल, निवासी सोनारेल पंचायत लाछुड़ा, हाल निवासी मदनपुरा, पुलिस थाना आसींद, जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ धारा 126-170 बीएनएसएस में कार्रवाई की गई।

फुलिया कलां में राकेश गिरफ्तारः
फुलिया कलां थाना पुलिस ने राकेश (24) पुत्र राजू, जाति बावरी, निवासी राज्यास, थाना फुलिया कलां, जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ धारा 126-170 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की गई।

भीमगंज पुलिस की कार्रवाईः
भीमगंज थाना पुलिस ने जितु लखारा (30) पुत्र रमेश लखारा, निवासी जैन मंदिर के सामने, कसारा बाजार, धानमंडी, भीमगंज, भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ भी धारा 126-170 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की गई।

सुभाषनगर में तीन गिरफ्तारः
सुभाषनगर थाना पुलिस ने निलिख सोनी (18) पुत्र किशोर सोनी, निवासी आदर्श नगर, गली नंबर 7, थाना भीमगंज, भीलवाड़ा; प्रकाश सोनी (32) पुत्र गणेश सोनी, निवासी आदर्शनगर, हाल शिवनगर, थाना सुभाषनगर, भीलवाड़ा तथा लोकेश (32) पुत्र जगदीशजी शर्मा, निवासी साखड़ा, हाल शिवनगर, थाना सुभाषनगर, भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया। तीनों के खिलाफ धारा 126-170 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की गई।

सात थाना क्षेत्रों में एक साथ कार्रवाई
पुलिस की इस कार्रवाई में जिले के सात थाना क्षेत्रों में कुल 13 लोगों को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

मुनियों की बुराई आसान, मुनि जैसा जीवन जीना मुश्किल : पुलकसागर

सूर्यमहल में चातुर्मासिक प्रवचन, बोले—महावीर के चश्मे से देखोगे तभी दिखेगा मुनि का असली स्वरूप

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / राष्ट्र संत आचार्य पुलकसागर महाराज ने शनिवार को सूर्यमहल में चातुर्मासिक प्रवचन में कहा कि मुनियों की बुराई करना आसान है, लेकिन मुनि जैसा जीवन जीना बेहद मुश्किल। मुनि बनने के लिए इच्छाओं, वासनाओं और सांसारिक सुख-सुविधाओं का त्याग करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि संतों को मिथ्यादृष्टि से नहीं, महावीर के चश्मे से देखना चाहिए। आचार्यश्री ने कहा कि समाज में मुनियों के प्रति द्वेष का भाव बढ़ना चिंताजनक है। पांचवें काल में शुद्धोपयोगी मुनि नहीं, बल्कि शुभोपयोगी मुनि होते हैं। ये घर-परिवार, व्यापार, पद-प्रतिष्ठा और सांसारिक मोह त्यागकर धर्म के मार्ग पर चलते हैं। वैराग्य की साधना ही आगे चलकर वीतरागता की राह खोलती है। उन्होंने कहा कि बेटियों का कन्यादान और धन का दान करने वाले तो बहुत मिलेंगे, लेकिन जिनशासन और समाज के लिए अपनी संतान को समर्पित करने वाले माता-पिता दुर्लभ हैं। ऐसे माता-पिता धन्य हैं। चातुर्मास समिति अध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने बताया कि 16 से 25 सितम्बर तक सूर्यमहल में पर्युषण-दशलक्षण पर्व की साधना और दस दिवसीय 'पाप नाशनम' शिविर आयोजित होगा। सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने पंजीयन कराया है। प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.30 से 10 बजे तक तथा शाम 7 से 8 बजे आनंद यात्रा व आरती होगी।

निकाय चुनाव में विजय जुलूस पर रहेगा प्रतिबंध

उल्लंघन करने वालों पर होगी सख्त कानूनी कार्रवाई

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर । नगर निकाय आम चुनाव-2026 के तहत जिले में नवनिर्वाचित सदस्यों, अध्यक्षों एवं उपाध्यक्षों द्वारा विजय जुलूस निकालने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट कमल राम मीना ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में कानून-व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने के लिए यह प्रतिबंध लागू किया गया है। आदेश के तहत किसी भी प्रकार का विजय जुलूस निकालना प्रतिबंधित रहेगा। आदेश की अवहेलना अथवा उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गंगापुर में मतदान खत्म होते ही पार्षदों की बाड़ेबंदी शुरू, (कांग्रेस-भाजपा में सियासी खेल तेज)

स्मार्ट हलचल

गंगापुर / नगर पालिका चुनाव में मतदान समाप्त होते ही अध्यक्ष पद की कुर्सी को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा के बाद कांग्रेस ने भी अपने पार्षद प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी कर दी है। मतदान खत्म होने के कुछ ही घंटों बाद भाजपा ने सोहस्ती वाटिका में अपने सभी उम्मीदवारों को बुलाया और बस में बिठाकर अज्ञात स्थान पर भेज दिया। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस ने भी देर रात अपने प्रत्याशियों को अलग-अलग जगहों से गाड़ियों में बैठाकर ले जाया। महिला प्रत्याशियों के साथ उनके परिजनों को भी साथ ले जाने की जानकारी मिली है। दोनों दलों की इस कवायद को चुनाव नतीजों से पहले पार्षदों को एकजुट रखने और राजनीतिक जोड़-तोड़ से दूर रखने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष की कुर्सी के लिए अब दोनों प्रमुख दलों के बीच जोरदार सियासी खेल शुरू हो गया है।

भामाशाहों ने खिलाड़ियों को खेल किट भेंट कर बढ़ाया उत्साह

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़ राउमावि तुम्बड़िया में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से खेल किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भामाशाहों ने विद्यालय के खिलाड़ियों को खेल किट भेंट कर उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में गांव के भामाशाह मुकेश जाट सिंहपुर, विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष कन्हैयालाल सुखवाल, शंभू जाट, शंकर अहीर, सरपंच प्रतिनिधि रामप्रसाद पुरोहित, अनिल जाट एवं हिमेश पुरोहित ने खिलाड़ियों को खेल किट प्रदान की। इस अवसर पर अतिथियों ने खिलाड़ियों को खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ अनुशासन बनाए रखने और निरंतर अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के शारीरिक शिक्षक मोहम्मद शकील का उपरना ओढ़ाकर सम्मान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के साथ आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को आवश्यक संसाधन और प्रोत्साहन मिलने से वे बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। प्रधानाचार्य रामलाल जाट ने कहा कि भामाशाहों की इस पहल से ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि विद्यार्थी खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं जिले का नाम रोशन करेंगे। प्रधानाचार्य ने सभी दानदाताओं का आभार जताया। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ, छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

निम्बाहेड़ा श्रीसंघ में प्रथम बार प्रभु महावीर जन्मवांचन समारोह हर्षोल्लास से सम्पन्न

स्मार्ट हलचल

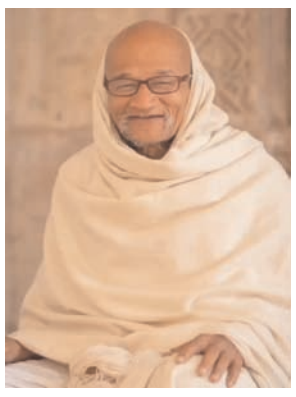

निम्बाहेड़ा। परम पूज्य आचार्य श्री निपुणरत्नसूरीश्वर जी महाराज साहब की परम कृपा एवं पावन प्रेरणा से निम्बाहेड़ा श्रीसंघ में प्रथम बार प्रभु महावीर स्वामी के जन्मवांचन का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ सम्पन्न हुआ। पर्यूषण महापर्व के पावन अवसर पर आयोजित इस विशेष धार्मिक कार्यक्रम में श्रीसंघ के सैकड़ों तपस्वियों सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रभु महावीर के जन्मवांचन के पावन प्रसंग को सुनकर पूरा वातावरण भक्ति, उल्लास एवं जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न धार्मिक चढ़ावों एवं बोलियों का आयोजन हुआ, जिसमें श्रीसंघ के अनेक परिवारों ने बढ़-चढ़कर लाभ लिया। विशेष रूप से भगवान महावीर स्वामी के 14 स्वप्नों की बोलियां श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। जन्मवांचन के पावन क्षणों में हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर के जन्मोत्सव की वधामणा कर अपनी श्रद्धा एवं भक्ति अर्पित की। इस अवसर पर भगवान के जन्म की खुशी में पंजेरी का प्रसाद भी चढ़ाया गया, जिसका श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से लाभ लिया। निम्बाहेड़ा श्रीसंघ के लिए यह आयोजन विशेष रूप से स्मरणीय एवं ऐतिहासिक रहा। प्रथम बार आयोजित प्रभु महावीर जन्मवांचन समारोह में उमड़ा जनसैलाब एवं श्रद्धालुओं का उत्साह श्रीसंघ की धर्म आराधना और एकजुटता का जीवंत उदाहरण बना। परम पूज्य आचार्य श्री निपुणरत्नसूरीश्वर जी महाराज साहब की पावन निश्रा में सम्पन्न इस आयोजन ने पूरे श्रीसंघ में धर्ममय वातावरण के साथ नवचेतना एवं भक्ति की अनुपम ऊर्जा का संचार किया।

हिंदी दिवस (14 सितंबर) पर हिंदी का संदेशः नेत्र चिकित्सकों की कलम से

डॉ. सुरेश कुमार पाण्डेय एवं डॉ. विदुषी शर्मा (नेत्र सर्जन, सुवि आई इंस्टीट्यूट, कोटा)

मैं हिंदी हूँ... मैं माँ की पहली लोरी हूँ, मैं बच्चे की पहली पुकार हूँ,
मैं कबीर की निर्भीक वाणी, मैं दिनकर की हुंकार हूँ।
मैं मीरा का निश्छल समर्पण, प्रेमचंद का संसार हूँ, मैं हिंदी हूँ...
भारत के मन की धड़कन और संस्कार हूँ। मैं हिंदी हूँ...
मैं हिंदी हूँ... मुझे किसी व्याकरण की पुस्तक या शब्दकोश के पन्नों में मत खोजिए। मैं उस माँ की वात्सल्य भरी आवाज़ में मिलूँगी, जो अपने नवजात शिशु को पहली बार प्रेम से पुकारती है। मैं उस पिता की मौन चिंता में हूँ, जो घर से दूर जाते बच्चे से कहता है, 'बेटा, अपना ध्यान रखना।' मैं बूढ़ी दादी की कहानियों का जादू, खेत में पसीना बहाते किसान की उम्मीद और उस युवा के आँखों का सपना हूँ, जो गाँव की पगडंडी से निकलकर महानगर के आसमान में उड़ान भरने आता है। मैं मंदिर की पावन प्रार्थना, बाजार की पुकार, विद्यालय की गूँजती कविता, लोकगीतों की मीठी लय और करोड़ों भारतीयों के जीवन का अटूट हिस्सा हूँ। मैं केवल कुछ अक्षरों से बनी एक भाषा भर नहीं; मैं स्मृतियों की पोटली, रिश्तों की गर्माहट, आपके सुख-दुख की साथी और पीढ़ियों को जोड़ने वाला वह पारदर्शी भावनात्मक सेतु हूँ, जिसे कोई मिटा नहीं सकता।
मैं हिंदी हूँ...मुझे एक दिन में नहीं गढ़ा गया, सदियों की साहित्यिक साधना ने मुझे सँवारा है। मेरे भीतर संत कबीरदास जी के 'बीजक' की वह सच्चाई है, जिसने पाखंडों पर प्रहार किया। मुझमें गोस्वामी तुलसीदास जी के 'रामचरितमानस' की भक्ति है, जिसने श्रीराम को जन-जन के आँगन में बैठा दिया। महाकवि सूरदास जी ने 'सूरसागर' रचकर मुझमें वात्सल्य फूँका, और श्रद्धेय मीराबाई ने अपनी 'पदावली' से प्रेम को अमरत्व दिया। युगप्रवर्तक भारतेंदु हरिश्चंद्र जी ने मुझमें आधुनिक चेतना की ज्योति जलाई, तो राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जी ने अपनी कालजयी रचना 'भारत-भारती' से सोए हुए देश में स्वाभिमान का सिंहनाद किया। मुंशी प्रेमचंद जी ने 'गोदान' और 'मानसरोवर' के जरिए एक आम आदमी का दर्द मेरी कलम से उकेर कर मुझे हमेशा के लिए जनमानस की भाषा बना दिया। महादेवी वर्मा जी ने 'यामा' से मुझे गहरी संवेदना दी, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' जी ने 'राम की शक्ति पूजा' से विद्रोह का साहस भरा। डॉ. हरिवंश राय बच्चन जी ने 'मधुशाला' से मुझे जीवन की नई लय दी, और राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' जी ने 'रश्मिरथी' के जरिए मेरे शब्दों में ऐसी अग्नि भर दी, जो अन्याय के खिलाफ आज भी धधक उठती है।
दिनांक 14 सितंबर 1949 मेरी यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव बना, जब संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में मुझे संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। यह सम्मान अत्यंत गौरवपूर्ण था, परंतु मेरा असली घर किसी सरकारी आदेश में नहीं, बल्कि इस देश की जनता के धड़कते हुए हृदय में है। आज मेरी आपसे केवल एक विनती है। मुझे मंचों से भाषण देकर या फूल-मालाएँ पहनाकर सिर्फ 14 सितंबर को मत याद कीजिए। मुझे आयोजनों से अधिक अपने दैनिक व्यवहार में स्थान दीजिए। मुझे पढ़िए, लिखिए, बोलिए और अगली पीढ़ी के हाथों में अमूल्य धरोहर की तरह सौंप दीजिए।
समय का पहिया घूमा है, और मैं भी बदली हूँ। कभी मैं नीले लिफाफों में रिश्ते जोड़ती थी, आज मैं मोबाइल की स्क्रीन पर पिक्सेल बनकर दौड़ती हूँ। ई-बुक्स, किंडल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने मेरे सामने संभावनाओं का नया आकाश खोल दिया है। यह नई तकनीक मेरी प्रतिद्वंद्वी नहीं, मेरी उड़ान का मजबूत पंख है। लेकिन, मुझे एक गहरी चिंता भी है। आज का युवा मुझे बोलता हिंदी में है, सोचता हिंदी में है; पर मोबाइल हाथ में आते ही वह अपनी ही भाषा को रोमन अक्षरों (हिंग्लिश) की बैसाखी थमा देता है। भाव मेरे रहते हैं, लेकिन मेरी अपनी देवनागरी के सुंदर अक्षर पीछे छूट जाते हैं। मैं हिंग्लिश से नाराज़ नहीं हूँ, पर आधुनिक बनने की अंधी दौड़ में मेरी आत्मा, देवनागरी, से रिश्ता मत तोड़िए। दिन भर में कभी तो 'माँ', 'प्रेम' और 'धन्यवाद' देवनागरी में लिखकर भेजिए। मातृभाषा की लिपि में लिखे शब्द केवल पढ़े नहीं जाते, सीधे हृदय में उतरते हैं।
मैं हिंदी हूँ...आज मेरी सबसे बड़ी आशा देश की नई पीढ़ी, जेन-जी और जेन-अल्फा से है। अगर मुझे इस नई पीढ़ी के दिलों तक पहुँचना है, तो उन्हें उपदेश नहीं, अपनापन देना होगा। उन्हें बताना होगा कि हिंदी उनके स्टैंड-अप कॉमेडी, इंस्टाग्राम रील्स, कोडिंग प्रॉम्प्ट्स और स्टार्टअप पिचेस की भाषा भी बन सकती है। जेन-अल्फा के लिए हमें ऐसे एनिमेशन और डिजिटल कहानियाँ बनानी होंगी, जहाँ उनके सुपरहीरो गर्व से शुद्ध हिंदी बोलते हों। मैं चाहती हूँ कि ये युवा मुझे अपने भविष्य की भाषा बनाएँ। वे मुझमें अंतरिक्ष के रहस्य सुलझाएँ, आधुनिक चिकित्सा विज्ञान समझाएँ, जीन विज्ञान और रोबोटिक्स पर शोध करें, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को कमांड दें। जिस दिन भारत का युवा इन कठिन विषयों को सहज हिंदी में दुनिया को समझाएगा, मेरा हिंदी दिवस सचमुच सार्थक हो जाएगा।
मैं हिंदी हूँ... मैं अक्षर नहीं, अनुभूति हूँ, मैं रिश्तों की पहचान हूँ, मैं मिट्टी की सौंधी खुशबू, मैं भारत की मुस्कान हूँ। नई सदी की नई उड़ानों में, मुझको भी आकाश दीजिए, तकनीक के हर नए सफर में, मेरा भी विश्वास दीजिए। हर भाषा का मान रहे, हर बोली का सम्मान रहे, जड़ों से जुड़ा, जग से मिलता, ऐसा मेरा हिंदुस्तान रहे। सिर्फ सितंबर में याद न करना, हर दिन मुझसे संवाद रहे, मैं हिंदी हूँ... मेरे शब्दों में भारत का दिल आबाद रहे।
मैं हिंदी हूँ... कबीर की चौपाल से चली थी, और आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संवाद कर रही हूँ।
मुझे बदलते हुए समय से डर नहीं लगता। बस, आप मेरा हाथ मत छोड़ना।
मुझे बचाइए मत, मुझे जी लीजिए।
जब तक भारत के हृदय में भावनाएँ धड़कती रहेंगी, मैं हमेशा जीवित रहूँगी।

ओला इलेक्ट्रिक को उपभोक्ता आयोग का आदेश

नई बाइक दें या 1.20 लाख रुपए से अधिक राशि ब्याज सहित लौटाएं

डैमेज बाइक की डिलीवरी नहीं लेने के बावजूद शुरू हो गई थी फाइनेंस की किश्तें, उपभोक्ता को 25 हजार रुपए आर्थिक संताप और 5 हजार रुपए परिवाद व्यय भी मिलेगा

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़, जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, चित्तौड़गढ़ ने उपभोक्ता के पक्ष में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड चित्तौड़गढ़ एवं मुख्य शाखा बेंगलूरू को एक माह के भीतर नई बाइक उपलब्ध कराने अथवा फाइनेंस की जमा किश्तों सहित अग्रिम भुगतान की कुल राशि 1,20,851 रुपए 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित लौटाने का आदेश दिया है। आयोग ने इसके साथ परिवादी को आर्थिक संताप के लिए 25 हजार रुपए तथा परिवाद व्यय के 5 हजार रुपए अलग से अदा करने के निर्देश दिए हैं। प्रकरण के अनुसार सतखंडा निवासी युवराज सिंह पुत्र नारायण सिंह चुण्डावत ने अधिवक्ता रतन कुमावत एवं खुमराज कुमावत के माध्यम से जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद पेश किया था। परिवादी के अनुसार मोटर साइकिल की आवश्यकता होने पर ओला के प्रचार से प्रभावित होकर मार्च 2025 में सिल्वर कलर की ओला रोडस्टर एक्स प्लस बाइक बुक कराई थी। बाइक की कीमत फाइनेंस सहित करीब 1.48 लाख रुपए तय हुई थी। परिवादी ने 49,715 रुपए डाउन पेमेंट अदा किया तथा ईकोफाई फाइनेंस के माध्यम से 86,789 रुपए का फाइनेंस कराया था, जिसकी 5,472 रुपए प्रतिमाह की किश्त निर्धारित थी। परिवादी का आरोप था कि तय समय पर बाइक की डिलीवरी नहीं दी गई। काफी समय बाद शोरूम में जो बाइक उपलब्ध कराई गई, वह पूरी तरह क्षतिग्रस्त थी तथा उस पर स्क्रेच थे और बाइक चालू हालत में भी नहीं थी। परिवादी ने क्षतिग्रस्त बाइक लेने से इनकार करते हुए दूसरी बाइक उपलब्ध कराने की मांग की, लेकिन उसके अनुसार विपक्षीगण ने दूसरी बाइक उपलब्ध कराने के बजाय उसी बाइक को लेने का दबाव बनाया। परिवादी ने बाइक नहीं ली, इसके बावजूद विपक्षीगण द्वारा वाहन का सेंट्रलाइज्ड रजिस्ट्रेशन करा दिया गया। इसके बाद परिवादी के खाते से फाइनेंस की मासिक किश्तें कटने लगीं, जबकि बाइक उसके कब्जे में कभी आई ही नहीं। परिवादी की ओर से विपक्षीगण को नोटिस भी दिया गया, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर आयोग में परिवाद दायर किया गया। मामले की सुनवाई के बाद आयोग के अध्यक्ष जगमोहन अग्रवाल एवं सदस्य हर्ष अरोड़ा ने परिवादी के अधिवक्ताओं के तर्कों से सहमत होते हुए परिवाद स्वीकार किया। आयोग ने विपक्षीगण की सेवा में कमी एवं लापरवाही मानते हुए निर्धारित अवधि में नई बाइक देने अथवा आदेश में निर्धारित राशि ब्याज एवं अन्य क्षतिपूर्ति के साथ अदा करने का आदेश दिया।

सांसद जोशी व विधायक आक्या ने ग्राम पंचायत सामरी में किए अनेक विकास कार्यों के उदघाटन व शिलान्यास।

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभूपुरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भरता व समृद्ध भारत की परिकल्पना को साकार रूप देने के लिए आज देश तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। प्रत्येक क्षेत्र में भारत विकास की नई उंचाईयो को छु रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में ही सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश की भजनलाल सरकार निरंतर जनहित में कार्य कर रही है। सांसद सी पी जोशी शनिवार को ग्राम सामरी में विभिन्न विकास कार्यो के लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओ व ग्रामीणो को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने कहा कि राजस्थान की भजनलाल सरकार गांव, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के सर्वांगिण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओ का लाभ अंतिम पंक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। गांवो में विकास कार्यो से आधारभूत ढांचा मजबूत हो रहा है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष मिठुलाल जाट थे। स्थानीय सरपंच प्रतिनिधि कुकालाल डांगी ने जानकारी देते हुए बताया की कार्यक्रम के दौरान सांसद सी पी जोशी, विधायक चंद्रभान सिंह आक्या द्वारा सी सी रोड बड़ का अमराणा, सी सी रोड मेड़ी का अमराणा, सामुदायिक भवन सिंदवड़ी, डामरीकरण कार्य बड़ का अमराणा, डामरीकरण कार्य सतखण्डा से बड़ का अमराणा का लोकार्पण करने के साथ ही सिंदवड़ी से चरलिया तक सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया।
इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता व ग्रामीणजन उपस्थित थे।

14 सपनों के चढ़ावे... पालना में आस्था, महावीर जन्मवाचन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह

स्मार्ट हलचल

बेगूं। नगर के पार्श्वनाथ जैन मंदिर में महावीर जन्मवाचन समारोह को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। जन्मवाचन से पूर्व मंदिर परिसर में 14 सपनों एवं पालना जी के चढ़ावे बोले गए। कल्पसूत्र वाचन लूद सिंह आंचलिया ने किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने धार्मिक विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में दिनभर भक्ति और धार्मिक वातावरण बना रहा। समाजजनों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए भगवान महावीर के जन्मकल्याणक की खुशियां मनाईं। समारोह के दौरान लक्ष्मी जी का चढ़ावा चंद्र कुमार चोरड़िया परिवार की ओर से तथा पालना का चढ़ावा दिनेश कुमार से अनिल कुमार एवं ललित चौधरी परिवार की ओर से बोला गया। इस अवसर पर समाजजनों ने धार्मिक आयोजन में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मूर्ति पूजक संघ की ओर से तथ कोमल कुमार, हितेश कुमार एवं राहुल कुमार लोढ़ा की ओर से प्रभावना रखी गई। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर के जन्मकल्याणक को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया। इस अवसर पर चन्द्र कुमार चोरड़िया, अभय पंचोली, पुखराज, नागौरी, नेमचंद कावड़िया, नेमचंद्र चोपड़ा, बाबूलाल चौधरी, राजेश बाफना, गौतम चैधरी, लोकेश भटेवरा, राहुल रातड़िया सहित अन्य समाजजन मौजूद रहे।

मदन सालवी 'ओजस्वी' समता सैनिक दल भारत के चित्तौड़गढ़ जिलाध्यक्ष नियुक्त

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़, स्मार्ट हलचल। समता सैनिक दल भारत राजस्थान प्रदेश के प्रदेशाध्यक्ष धर्मपाल बौद्ध एवं प्रदेश महासचिव कमला भंवर बुगालिया ने नियुक्ति पत्र जारी कर चित्तौड़गढ़ निवासी स्वतंत्र लेखक एवं सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी मदन सालवी 'ओजस्वी' को समता सैनिक दल भारत का चित्तौड़गढ़ जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठन की ओर से जारी नियुक्ति के अनुसार मदन सालवी 'ओजस्वी' के सामाजिक प्रगति, निरंतर लेखन, सामाजिक समानता, मानवतावादी सोच, विज्ञानवादी दृष्टिकोण एवं सामाजिक कार्यों में योगदान को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। मदन सालवी 'ओजस्वी' की नियुक्ति पर समता सैनिक दल भारत के पदाधिकारियों एवं प्रदेश के विभिन्न पदाधिकारियों सहित अनेक सामाजिक संगठनों के जागरूक पदाधिकारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष मदन सालवी 'ओजस्वी' से संगठन को चित्तौड़गढ़ जिले में और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को गति देने की उम्मीद जताई गई है।

फतहसागर से जापान तक पहुँची 'हर्ष की लहर', एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे हर्षवर्धन...

जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में हर्षवर्धन भारत का प्रतिनिधित्व करेगा

स्मार्ट हलचल

उदयपुर। झीलों की नगरी के लिए गौरव का नया अध्याय जुड़ा है। उदयपुर के प्रतिभाशाली कयाकिंग-कैनॉयंग खिलाड़ी हर्षवर्धन सिंह शक्तावत का कैनो स्प्रिंट वर्ग में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर को जापान में आयोजित होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम में चयन हुआ है। वर्तमान में वे जापान के कोमात्सु में 15 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उनकी उपलब्धि से उदयपुर के खेल जगत में उत्साह है और अब शहर को उनसे अंतरराष्ट्रीय पदक की उम्मीद है।

वर्षों पुराना सपना हर्षवर्धन ने किया पूरा - दिलीप सिंह चौहान

राजस्थान कयाकिंग-कैनॉयंग संघ सचिव दिलीप सिंह चौहान ने बताया कि जब उदयपुर में इस खेल की शुरुआत हुई थी, तभी उनका सपना था कि यहाँ से कोई खिलाड़ी एशियन गेम्स तक पहुँचे। हर्षवर्धन ने यह सपना साकार किया है और अब उनकी नजर अंतरराष्ट्रीय पदक पर है। दिलीप सिंह चौहान ने बताया कि लगभग 4 दशक पूर्व से हमीदा बानो (एथलेटिक्स) के बाद लंबे अंतराल पर उदयपुर के किसी खिलाड़ी को एशियन गेम्स में प्रतिनिधित्व का अवसर मिला है। शूटिंग की खिलाड़ी अपूर्वी चंदेला का भी उदयपुर से

जुड़ाव रहा है । उन्होंने बताया कि हर्षवर्धन लगभग 7 वर्ष की आयु में अपने पिता निरंजन सिंह शक्तावत एवं माता के साथ बी. एन. तरणताल पर उनके पास तैराकी सीखने आया । उन्होंने हर्षवर्धन को 5 वर्ष के तैराकी एवं फिटनेस प्रशिक्षण के बाद उसकी प्रतिभा को देखते फतहसागर के कयाकिंग सेंटर पर केनो का अभ्यास प्रारंभ कराया तथा लगातार बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें भोपाल स्थित साईं सेंटर पर प्रशिक्षण एवं उसके उपरांत हाई परफॉर्मेंस सेंटर पर विशिष्ट प्रशिक्षण प्रदान किया गया । वहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर उन्होंने कई राष्ट्रीय पदक जीते और भारत का प्रतिनिधित्व भी किया उसके बाद उनका चयन भारतीय कायकिंग व कैनो संघ द्वारा संचालित उत्तराखंड के टिहरी बांध (टिहरी झील) की THDC-IKC हाई-परफॉर्मेंस कयाकिंग एंड कैनोइंग अकादमी मै हुआ जहाँ पर आधुनिक व वैज्ञानिक तकनीक से विदेशी प्रशिकों द्वारा हाई क्लास प्रशिक्षण दिया जाता है जहाँ गहन प्रशिक्षण प्राप्त कर हर्षवर्धन ने लगातार अनेक राष्ट्रीय पदक जीते और अब वह अवसर आ गया जब वे एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे है ।

हर्षवर्धन को पदक की शुभकामनाएँ

जापान में लहराएगा उदयपुर का गौरव

राजस्थान ड्रैगन बॉट/केनो स्प्रिंट चेयरमैन अजय अग्रवाल ने हर्षवर्धन को पदक की अग्रिम सुभकामनाये व बधाई देते हुए कहा की पूर्व खिलाड़ी नेहा कुमावत के ओलंपिक क्वालीफाइंग राउंड तक पहुँचने सहित उदयपुर के वॉटर स्पोर्ट्स खिलाड़ियों की उपलब्धियों को उल्लेखनीय बताया। उन्होंने कहा कि उचित प्रशिक्षण और अवसर मिलने पर उदयपुर की प्रतिभाएँ विश्वस्तरीय मंचों पर देश का नाम रोशन कर सकती हैं।

फतहसागर की लहरों ने तराशा चैंपियन, अब जापान में दिखेगा उदयपुर का दमखम

राजस्थान कयाकिंग-कैनॉयंग संघ के अध्यक्ष भगवान स्वरूप वैष्णव ने बताया कि हर्षवर्धन ने फतहसागर झील से अपने खेल सफर की शुरुआत की। राष्ट्रीय स्तर पर निरंतर बेहतर प्रदर्शन के आधार पर उन्हें विशेष प्रशिक्षण मिला। अनुशासन, कठिन परिश्रम और निरंतर अभ्यास ने उन्हें भारतीय टीम तक पहुँचाया है। संघ पदाधिकारी कमलेश हाथी एवं दीपक गुप्ता ने बताया कि फतहसागर पर सुबह और शाम दोनों सत्रों में खिलाड़ी नियमित अभ्यास करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप उदयपुर के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 150 से अधिक पदक अर्जित किए हैं। संघ के सचिव दिलीप सिंह चौहान ने बताया कि एशियन गेम्स के लिए हर्षवर्धन के चयन के बाद भारतीय दल के 14 खिलाड़ी एवं 4 प्रशिक्षक जापान की कोमात्सु सीटी मे नियमित रूप से गहन अभ्यास कर रहे हैं यह अभ्यास कैंप 15 दिवसीय है तथा यह विशेष प्रशिक्षण शिविर खिलाड़ियों को जापान के वातावरण, मौसम और प्रतिस्पर्धात्मक परिस्थितियों के अनुरूप ढालने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है, जिससे वे एशियन गेम्स में भारत का उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित कर सकें। संघ के सचिव दिलीप सिंह चौहान ने इस अवसर पर साई के एनसीओई, मेवाड़ राजपरिवार के डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़, उदयपुर की पूर्व संभागीय आयुक्त सुश्री प्रज्ञा केवलरानी तथा चन्द्रगुप्त सिंह चौहान का विशेष आभार व्यक्त किया। साथ ही कहा की उन्होंने कहा कि फतहसागर की लहरों से शुरू हुआ यह सफर आज जापान के अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुँच चुका है। हर्षवर्धन की यह ऐतिहासिक उपलब्धि उदयपुर की नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह सफलता इस बात का सशक्त संदेश देती है कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन, समर्पण और सही मार्गदर्शन के बल पर झीलों की नगरी से निकली प्रतिभाएँ भी एशिया के सर्वोच्च खेल मंचों पर तिरंगा लहराकर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ा सकती हैं। इस अवसर पर संघ के चेयरमैन चंद्रगुप्त सिंह चौहान, कोषाध्यक्ष डॉ भूपेंद्र सिंह चौहान, डॉ महावीर सिंह परिहार, महेश पिंपलकर, नवल सिंह चुंडावत, आर.के. धाबाई, जिला ओलंपिक संघ के विनोद साहू, सुधीर बक्षी, जिला खेल अधिकारी महेश पालीवाल, रणवीर सिंह राणावत, किशन गायरी, डॉ. ललित रेगर, किशन व्यास, प्रमोद कुमावत सहित संघ पदाधिकारियों एवं खेल प्रेमियों ने हर्षवर्धन सिंह शक्तावत और उनके अभिभावकों को शुभकामनाएँ दीं। सभी ने एशियन गेम्स में उनके शानदार प्रदर्शन और पदक जीतने की कामना की।

महर्षि दयानन्द थे नारी सशक्तीकरण के असली अग्रदूत, यज्ञमय जीवन से ही सार्थक होता है मानव जीवन: डॉ. रुचि श्रीमाली

स्मार्ट हलचल

उदयपुर आर्य समाज उदयपुर के त्रिदिवसीय वेद प्रचार कार्यक्रम के दूसरे दिन समाज में महिलाओं की स्थिति और वेदों के महत्व पर गहन मंथन हुआ। मां शारदा आर्य समिति द्वारा संयोजित इस विशेष सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए डॉ. रुचि श्रीमाली ने कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती आधुनिक भारत में नारी सशक्तीकरण के प्रणेता थे। उन्होंने ही सबसे पहले महिलाओं को शिक्षा दिलाने की पुरजोर वकालत की थी। डॉ. श्रीमाली ने स्त्री और पुरुष की समानता पर बल देते हुए कहा कि स्वामी जी दोनों की समान रूप से शैक्षिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और राजनीतिक उन्नति के पक्षधर थे। समाज में दोनों की भूमिका बराबर है और यदि एक भी पक्ष कमजोर रहता है, तो एक आदर्श परिवार, समाज या राष्ट्र का निर्माण असंभव है। सत्र के विशिष्ट वक्ता और दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर धर्मेंद्र कुमार शास्त्री ने यज्ञ को सृष्टि का मूल केंद्र बताया। वेद की ऋचा 'अयं यज्ञ भुवनस्य नाभिः' और गीता के श्लोकों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन तभी सार्थक हो सकता है जब वह यज्ञमय हो। व्यक्ति जब अपने भीतर 'इदन्न मम' (यह मेरा नहीं है) का भाव लाता है, तभी वह जीवन की उच्चता को प्राप्त करता है। ऐसा परोपकारी जीवन जीने वाले को ईश्वर हमेशा अपने निकट महसूस होते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता मीरा कन्या महाविद्यालय की पूर्व उप प्राचार्य शारदा गुप्ता ने की। दिन की शुरुआत जयपुर के आचार्य अवनीश मैत्री के सानिध्य में सामवेद के मंत्रोच्चार और भव्य यज्ञ के साथ हुई। कार्यक्रम का कुशल संचालन समिति की अध्यक्ष उगन्ता यादव ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

मेघवाल समाज सेवा समिति द्वारा लोकदेवता बाबा रामदेव जयंती पर भव्य शोभायात्रा निकाली

स्मार्ट हलचल

कोटा: शनिवार को मेघवाल समाज सेवा समिति सीमल्या द्वारा लोकदेवता बाबा रामदेव जी की जयंती के अवसर पर सीमल्या में मेघवाल समाज बंधुओं द्वारा भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरा कस्बा 'बाबा रामदेव जी की जय' और 'रूणीचा के श्याम की जय' के जयकारों से गूंज उठा। समिति द्वारा बाबा रामदेव जी की सजी-धजी झांकी और निशान के साथ शोभायात्रा निकाली गई, जो बाबा रामदेव मंदिर से शुरू होकर मुख्य बाजार होते हुए पूरे कस्बे में भ्रमण किया। यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु, युवा और महिलाएं शामिल हुए। शोभायात्रा के स्वागत के लिए समिति द्वारा कस्बे में जगह-जगह स्वागत द्वार लगाए गए। व आतिशबाजी करी। इस दौरान कस्बे के व्यापारीयो व ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। जगह-जगह श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेय, केले व प्रसादी की व्यवस्था की गई। वहीं जयंती की पूर्व संध्या पर भजन संध्या एवं जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय कलाकारों ने बाबा रामदेव जी के भजनों से सभी को भक्तिमय कर दिया। देर रात तक श्रद्धालु जागरण में झूमते रहे।

14 सितंबर को होगी नगर परिषद चुनाव की मतगणना

60 वार्डों की मतगणना 12 टेबल पर 5 राउंड में होगी

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर । नगर परिषद ब्यावर चुनाव-2026 की मतगणना 14 सितंबर को बृजमोहन शर्मा राजकीय कन्या महाविद्यालय, ब्यावर में होगी। 60 वार्डों की मतगणना दो अलग-अलग कक्षों में कराई जाएगी। कमरा नंबर 1 में वार्ड 1 से 30 तथा कमरा नंबर 7 में वार्ड 31 से 60 की मतगणना होगी। मतगणना के लिए 12 टेबल निर्धारित की गई हैं तथा पूरी प्रक्रिया 5 राउंड में संपन्न होगी। गणन अभिकर्ताओं के पहचान पत्र जारी कर दिए गए हैं, जिन्हें संबंधित अभिकर्ता चुनाव कार्यालय ब्यावर से प्राप्त कर सकते हैं। मतगणना परिसर में मोबाइल फोन लेकर प्रवेश करना प्रतिबंधित रहेगा।

सिंगापुर में गूंजेगी कथक की परंपरा, 'पुष्पांजलि' में दिग्गज कलाकार देंगे नृत्यांजलि...

स्मार्ट हलचल

कोटा। भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध गुरु-शिष्य परंपरा और कथक के दो महान आचार्यों की स्मृति को समर्पित विशेष समारोह 'पुष्पांजलि : ए कथक नृत्यांजलि' का आयोजन 16 सितंबर को सिंगापुर में किया जाएगा। जिसमे कोटा की प्रसिद्ध कथक कलाकार बरखा जोशी भी प्रस्तुति देंगी वहीं इंडियन इंटरनेशनल ट्रेनिंग एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स सेंटर की ओर से आयोजित इस समारोह में नृत्याचार्य पं. नारायण प्रसाद को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी, वहीं पं. कुंदन लाल गंगानी के शताब्दी समारोह के अवसर पर उनकी कला साधना को नमन किया जाएगा।'पुष्पांजलि : ए कथक नृत्यांजलि' का आयोजन बुधवार, 16 सितंबर 2026 को शाम 7 बजे पीजीपी हॉल, श्रीनिवास पेरुमल मंदिर, सिंगापुर में होगा। समारोह में भारत और सिंगापुर के कलाकार एक मंच पर आकर कथक की गुरु परंपरा, साधना और सौंदर्य को नृत्य के माध्यम से नमन करेंगे।

मंच पर दिखेगा कथक का वैभव

'पुष्पांजलि' में भारत के प्रतिष्ठित कथक कलाकारों के साथ सिंगापुर के कथक गुरुओं की भी सहभागिता रहेगी। समारोह में पं. चरण गिरधर चांद, विदुषी शोभा कोसर और पं. राजेंद्र कुमार गंगानी अपनी कथक प्रस्तुतियों से दर्शकों को भारतीय शास्त्रीय नृत्य की विविध रंग-छटाओं से परिचित कराएंगे। एवं उनकी शिष्या बरखा जोशी अपनी प्रस्तुति देंगी। कोटा की बेटी बरखा जोशी जो की कत्थक नृत्यांगना होने केसाथ-साथ राजकीय संगीत विद्यालय प्रभाकर रामपुर में कत्थक व्रत गुरु के पद पर कार्यरत है। कथक की लयकारी को अपनी तबला संगत से समृद्ध करेंगे पं. फतेहसिंह गंगानी। वहीं प्रख्यात गायक उस्ताद शमिउल्लाह खान की गायन प्रस्तुति समारोह में संगीत का प्रभावशाली आयाम जोड़ेगी। नृत्य, ताल और गायन का यह संगम 'पुष्पांजलि' को एक विशिष्ट सांगीतिक अनुभव बनाएगा।

बल्लभपुरा गांव में किसानों का रास्ता बना दलदल, कीचड़ में फंस रहे वाहन, ग्रामीण परेशान

स्मार्ट हलचल

कोटा। तहसील दीगोद के ग्राम पंचायत भौंरा के ग्राम बल्लभपुरा में खेतों की ओर जाने वाला मुख्य कच्चा रास्ता बारिश के बाद पूरी तरह कीचड़ और दलदल में बदल गया है। तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि पूरे रास्ते पर ट्रैक्टरों के टायरों के गहरे निशान और घुटनों तक पानी-कीचड़ भरा है। ग्रामीणों के अनुसार यह रास्ता बल्लभपुरा एवं भौंरा के करीब 60-70 किसानों के लगभग 400 बीघा से अधिक कृषि भूमि को जोड़ता है। इसी रास्ते से किसान खाद-बीज, फसल और मंडी तक अनाज ले जाते हैं। लेकिन रास्ते की हालत इतनी खराब है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली आए दिन कीचड़ में फंस जाते हैं। पैदल निकलना भी दूभर हो गया है। कई बार किसान फिसलकर घायल हो चुके हैं। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार सरपंच और पंचायत समिति सुल्तानपुर को ग्रेवल डालने और रास्ते को दुरुस्त करने के लिए कहा, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। किसानों ने जिला प्रशासन और विधायक से मांग की है कि बल्लभपुरा से खेतों की ओर जाने वाले इस रास्ते पर तुरंत मिट्टी-ग्रेवल डलवाई जाए और मनरेगा या सड़क योजना से इसे पक्का किया जाए, ताकि किसानों को राहत मिल सके।

तेजाजी मेले की तैयारियों की समीक्षा, कलक्टर ने दिए व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के निर्देश

19 सितंबर से शुरू होगा वीर तेजाजी महाराज मेला, सुरक्षा, यातायात और सफाई व्यवस्था पर रहेगा विशेष जोर

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। वीर तेजाजी महाराज मेला वर्ष 2026 के आयोजन को लेकर शनिवार को जिला कलक्टर सभागार में बैठक आयोजित की गई। जिला कलक्टर एवं नगर परिषद ब्यावर के प्रशासक कमल राम मीना की अध्यक्षता में हुई बैठक में मेले की तैयारियों और विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। बैठक में सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था, यातायात, पेयजल, विद्युत, चिकित्सा, खाद्य सुरक्षा, पार्किंग और सफाई सहित आवश्यक जनसुविधाओं की तैयारियों की समीक्षा की गई। कलक्टर ने संबंधित विभागों को सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूरी करने तथा मेले के दौरान व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। मेले में कंट्रोल रूम, उद्घोषक, स्काउट गाइड एवं एनसीसी, अस्थायी प्रकाश व्यवस्था, सजावट, बैरिकेडिंग और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था को लेकर भी दिशा-निर्देश दिए गए। इसके अलावा मेले के प्रचार-प्रसार, अतिथियों को आमंत्रित करने, दुकानों के आवंटन, निगरानी एवं सतर्कता टीम के गठन, अतिक्रमण हटाने और पार्किंग व्यवस्था पर भी चर्चा हुई।

19 से 22 सितंबर तक होगा मेला

श्री वीर तेजाजी महाराज मेला वर्ष 2026 का आयोजन 19 से 20 सितंबर तक सेदरिया तथा 20 से 22 सितंबर तक तेजा चौक, सुभाष उद्यान से प्राइवेट बस स्टैंड, विजयनगर रोड एवं सम्राट पृथ्वीराज चौहान स्टेडियम, सेदरिया में किया जाएगा। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर ब्रह्मलाल जाट, उपखंड अधिकारी जयपाल सिंह राठौड़, नगर परिषद आयुक्त कीर्ति कुमावत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

14 सितम्बर को होगी 8 निकायों की मतगणना

मतगणना दलों व रिटर्निंग अधिकारियों का मतगणना प्रशिक्षण हुआ संपन्न

स्मार्ट हलचल

बूंदी - जिले में 9 व 11 सितंबर को संपन्न नगरीय निकायों के निर्वाचन की मतगणना सोमवार 14 सितंबर को सुबह 8 बजे से शुरू होगी। जिले के संबंधित नगरीय निकाय मुख्यालय पर बनाए गए मतगणना स्थल पर गणना होगी। जिले के सभी नगरीय निकायों के लिए मतगणना में नियुक्त कार्मिकों व रिटर्निंग अधिकारियों का प्रशिक्षण शनिवार को नगर परिषद के टाउन हॉल में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में दक्ष प्रशिक्षकों ने मतगणना कर्मियों को ईवीएम मशीन से मतगणना की पूरी जानकारी दी तथा प्रायोगिक तौर पर मतगणना का डेमो भी दिया गया। इस दौरान डीएमएम सीलिंग टीम को भी मतगणना के बाद फिर से मशीनों को सील करने की प्रक्रिया का भी प्रशिक्षण दिया गया।

263 मतदान बूथों की 45 टेबलों पर होगी मतगणना

जिले में सम्पन्न नगरीय निकायों के आम चुनावों की गणना सोमवार को 45 टेबलों पर की जाएगी। बूंदी नगर परिषद के 94 बूथों के लिए दो कक्षों में 12 टेबलों पर गणना होगी। इसी प्रकार लाखेरी के 35, नैनवां के 25, केशोरायपाटन के 25, कापरेन के 25 व इंद्रगढ़ के 20 बूथों की मतगणना के लिए 5-5 टेबलों पर गणना की जाएगी। हिंडोली के 19 तथा देई नगरपालिका के 20 बूथों की मतगणना के लिए 4-4 टेबल पर गणना होगी।

दिवंगत बेटी की स्मृति में पिता ने की 500 गज भूमि छात्रावास के लिए दान

बेटी कनुप्रिया की याद को शिक्षा और समाजसेवा से जोड़ने की पिता ने की समाज के लिए अनुकरणीय पहल, बनेगा स्व. कनुप्रिया स्मृति छात्रावास

कनु मरणोपरांत भी बालकों की स्मृति में बनी रहेगी...

स्मार्ट हलचल

टोंक / बाई लाइन संजय तिवारी । दिवंगत पुत्री स्व. कनुप्रिया की स्मृति को चिरस्थायी बनाने और मीणा समाज के जरूरतमंद एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक एवं आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से टोंक जिले के अहमदपुरा चौकी, पोस्ट हरचंदेड़ा निवासी एक पिता ने डाईट में उप प्राचार्य के पद पर कार्यरत कन्हैया लाल मीणा ने सराहनीय पहल की है। उन्होंने मीणा समाज, उनियारा को छात्रावास निर्माण के लिए 500 वर्ग गज भूमि दान करने की सहमति प्रदान की है। खसरा संख्या 3725/73 में से दान की जाने वाली भूमि को लेकर दानदाता श्री कन्हैया लाल मीणा एवं मीणा दान एवं छात्रावास निर्माण के संबंध में समझौता पत्र तैयार किया गया है। समझौते के अनुसार

प्रस्तावित छात्रावास का नाम 'स्व. कनुप्रिया स्मृति छात्रावास' रखा जाएगा। समाज, उनियारा के मध्य भूखंड

बेटी की स्मृति को शिक्षा से जोड़ने की अनूठी पहल

प्रस्तावित छात्रावास में जरूरतमंद एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को रहने और अध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराने का उद्देश्य रखा गया है। छात्रावास भवन पर स्व. कनुप्रिया की स्मृति में स्मृति पट्टिका भी लगाई जाएगी, ताकि उनकी याद समाज और आने वाली पीढ़ियों के बीच सदैव जीवित रहे। दानदाता श्री कन्हैया लाल मीणा ने कहा कि पुत्री की स्मृति को केवल व्यक्तिगत यादों तक सीमित रखने के बजाय उसे शिक्षा और समाजसेवा से जोड़ना उनकी भावना है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण और आवासीय सुविधा उपलब्ध कराना स्व. कनुप्रिया के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कानूनी प्रक्रिया के बाद होगा भूमि का हस्तांतरण

समझौते के तहत भूमि के वास्तविक एवं वैधानिक हस्तांतरण के लिए पंजीकृत दान विलेख, स्टाम्प, पंजीयन एवं आवश्यक राजस्व नामांतरण की प्रक्रिया राजस्थान के लागू कानूनों के अनुसार पूरी की जाएगी। मीणा समाज, उनियारा ने भूमि का उपयोग निर्धारित सामाजिक एवं शैक्षणिक उद्देश्य के अनुरूप करने तथा छात्रावास के निर्माण, संचालन और रखरखाव की व्यवस्था करने पर सहमति व्यक्त की है। दिवंगत पुत्री की स्मृति में भूमि दान कर उसे विद्यार्थियों की शिक्षा और समाजसेवा के लिए समर्पित करने की यह पहल मानवीय संवेदना, त्याग और सामाजिक सरोकार का प्रेरणादायी उदाहरण मानी जा रही है।

गरीब छात्रों की मदद के लिए तैयार रहते हैं मीणा।

उल्लेखनीय है कि व्याख्याता केएल मीना ने इससे पहले भी सामाजिक सरोकारों सेवा भाव के कार्यों में दूर दराज एवं गांव से आए हुए गरीब छात्रों की मदद के लिए केएल मीणा अपने स्तर पर ही उनकी आर्थिक मदद करते हैं। छात्रों के लिए मीणा के सानिध्य में संस्थान में ही निजी खर्चे से वतानुकूलित लाइब्रेरी का संचालन किया जा रहा है।

प्रतियोगी परीक्षाएं देने वाले छात्रों की करते है निःशुल्क सेवा।

केएल मीणा द्वारा प्रतियोगी परीक्षा देने आने वाले सभी वर्गो के छात्र छात्राओं के लिए रहने व खाने की सेवा बस स्टेंड टोंक पर निःशुल्क करते हैं। तथा किसी भी राजकीय सेवा में चयन होने पर छात्रों को अपने स्तर पर सम्मानित करते है।

संस्थान में रक्तदान शिविर का भी होता है आयोजन

मीना के सानिध्य में संस्थान में भगतसिंह रक्तदाता ग्रुप व जगदम्बा रक्तदाता ग्रुप का संचालन किया जा रहा है। जिनके द्वारा प्रति वर्ष सत्र में कई बार निःशुल्क रक्तदान शिविरों का भी आयोजन किया जाता है जो मानवसेवा का सबसे बडा कार्य है। रक्तदान से हजारों लोगों को जीवनदान मिलता है। वह रक्तदान शिविरों का आयोजन करके जनसेवा के कार्य में भागेदारी निभा रहे है।

सामाजिक सरोकारो मे भी है मीणा सबसे आगे ।

जिला प्रशिक्षण संस्थान मे कार्यरत के एल मीणा सामाजिक सरोकारो मे भी सबसे आगे रहते है चाहे वह निर्धन बच्चो की फीस भरना रक्तदान करना प्रतियोगी परीक्षार्थियो के लिए रहने खाने की व्यवस्था करना कोरोना मे किरायो दारो से कई महीनो का किराया ना लेना कोरोना पीडितो मरीजो को फल बांटना सर्दी मे बेघरो के रहने की व्यवस्था करना एक नही ऐसे सैकडो कामो से मीणा परोपकारी कामो मे आगे रहते है । बेटी की स्मृति में छात्रावास के लिए भूमि देना मीना की सराहनीय पहल है। मीना के सानिध्य में सैकडों विधार्थियो का राजकीय सेवा में चयन हो चुका है। इसके लिए मीना को द्रोणाचार्य पुरस्कार व डाईट रत्न जैसै पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

महर्षि दधीचि जयंती के कार्यक्रमों के कार्ड का विमोचन

तीन दिवसीय जंयति के कार्यक्रम 17 सितम्बर से प्रांरभ

स्मार्ट हलचल

कोटा। श्री महर्षि दधीचि जयंती समारोह को लेकर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के आमंत्रण कार्ड का विमोचन समाजबंधुओं की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित समाजजनों ने भगवान गणेश एवं मां दधिमती का पूजन कर आशीर्वाद लिया तथा जयंती समारोह को सफल बनाने का संकल्प लिया। अध्यक्ष रविन्द्र जोशी ने बताया कि श्री महर्षि दधीचि छात्रावास समिति, कोटा संभाग की ओर से आयोजित जयंती समारोह में इस वर्ष महिला एवं पुरुष खेलकूद प्रतियोगिताएं, रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, महर्षि दधीचि अभिषेक-पूजन, शोभायात्रा, प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं समाज की प्रतिभाओं का सम्मान, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा स्नेहभोज सहित विभिन्न आयोजन किए जाएंगे। 17 व 18 सितम्बर को महिला व पुरूषो के खेलकूद व व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा वहीं 19 सितम्बर को विधिवत हवन,पूजन व सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्ड विमोचन के अवसर पर रविंद्र जोशी (देंहत), नरेंद्र दाधीच, राजेश दाधीच, सुनील दाधीच, अमित दाधीच, कमल दाधीच, नागेश दाधीच, रमेश जी निमोला, चंद्र प्रकाश एडवोकेट, मुकेश दाधीच, मनोज दाधीच सहित समाज के अनेक व्यक्ति उपस्थित रहे।

श्रद्धा और उल्लास से सजा श्री सीमेंट-रास, महागणपति महोत्सव का भव्य आगाज

भव्य कलश यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, श्रीजी महाराज ने किया गोपी गीत कथा का शुभारंभ...

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। रास श्री सीमेंट लिमिटेड, रास की आवासीय कॉलोनी परिसर में श्री महागणपति जी के पंचम वार्षिकोत्सव के तहत शनिवार को धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन श्रद्धा एवं उल्लास के साथ किया गया। महोत्सव के दौरान मंदिर परिसर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना हुई और शाम को निकाली गई भव्य कलश यात्रा ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। आचार्य लक्ष्मीनारायण शास्त्री के सान्निध्य में मंत्रोच्चार के साथ देव पूजन किया गया। कंपनी के चीफ मैन्यूफैक्चरिंग ऑफिसर सतीश माहेश्वरी ने सपत्नीक पूजा-अर्चना कर प्रथम पूज्य भगवान गणेश से सभी के सुख, शांति एवं

समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी सपरिवार मौजूद रहे और धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया।

कलश यात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

महोत्सव के तहत शाम 4:30 बजे मंदिर परिसर से महिलाओं द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई। पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर यात्रा में भाग लिया। कॉलोनी के निवासियों के साथ बाहर से आए श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। कलश यात्रा के दौरान पूरा वातावरण गणपति महाराज के जयकारों से गूंज उठा।

श्रीजी महाराज ने किया गोपी गीत कथा का शुभारंभ

इसके बाद निम्बार्क तीर्थ-अजमेर के पीठाधीश्वर श्री श्यामशरण देवाचार्य श्री श्रीजी महाराज के मुखारविंद से दो दिवसीय गोपी गीत कथा का शुभारंभ हुआ। कथा शनिवार एवं रविवार को शाम 6 से रात 9 बजे तक आयोजित की जा रही है। कथा श्रवण के लिए ब्यावर सहित आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालु मंदिर परिसर पहुंच रहे हैं। कथा के समापन के बाद महागणपति जी की भव्य आरती की गई और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। महोत्सव को लेकर मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे फूलों एवं आकर्षक विद्युत रोशनी से सजाया गया है। रोशनी से नहाया मंदिर परिसर श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

गणेश चतुर्थी पर होंगे कई धार्मिक आयोजन

14 सितंबर को गणेश चतुर्थी के अवसर पर सुबह 7 बजे देव पूजन एवं श्री गणराज का महाअभिषेक होगा। सुबह 9:30 बजे श्रृंगार के बाद हवन तथा 11:30 बजे 1008 मोदक अर्पित कर 56 भोग लगाया जाएगा। दोपहर 12:30 बजे महाआरती होगी। शाम 5:30 बजे कॉलोनी परिसर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। विग्रह भ्रमण के बाद आरती एवं अन्नकूट प्रसाद वितरण किया जाएगा।

श्रद्धालुओं के लिए किए विशेष प्रबंध

रास यूनिट के एचआर हेड जे.के. पुरोहित ने बताया कि महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए कथा स्थल एवं मंदिर परिसर में आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि भक्तों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो।

दक्षिण भारतीय शैली में बना है भव्य मंदिर

श्री महागणपति मंदिर अपनी स्थापत्य कला के कारण भी विशेष पहचान रखता है। दक्षिण भारतीय शैली में काले ग्रेनाइट से निर्मित गणपति महाराज एवं रिद्धि-सिद्धि की प्रतिमाएं श्रद्धालुओं को आकर्षित करती हैं। मंदिर परिसर में जैसलमेर के हाबुर पत्थर की बारीक कलाकारी भी देखने को मिलती है। यही कारण है कि ब्यावर सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

भादवा एकम पर बाबा रामदेव मंदिरों में गूंजे जयकारे

मेवाड़ी गेट व शाहपुरा मोहल्ले में दो दिवसीय मेले का आयोजन, शहरभर के मंदिरों में हुई पूजा-अर्चना

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। भादवा माह की एकम के पावन अवसर पर शहर में बाबा रामदेवजी की भक्ति का माहौल रहा। मेवाड़ी गेट स्थित बाबा रामदेव मंदिर तथा शाहपुरा मोहल्ला स्थित बाबा रामदेव मंदिर में दो दिवसीय मेले का आयोजन किया जा रहा है। एकम के दिन दोनों मंदिरों में बाबा रामदेवजी की विशेष पूजा-अर्चना कर आरती की गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पहुंचकर बाबा रामदेवजी के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। बाबा के जयकारों से मंदिर परिसर भक्तिमय नजर आया। भादवा एकम के अवसर पर शहर के विभिन्न स्थानों पर स्थित बाबा रामदेवजी के मंदिरों में भी धार्मिक आयोजन हुए तथा श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। दो दिवसीय मेले को लेकर मंदिर समितियों की ओर से विशेष तैयारियां की गई हैं। मेले के दौरान धार्मिक कार्यक्रमों के साथ श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं की गई हैं।

24 घंटे बाद एसडीआरएफ ने नदी से बरामद किया लापता युवक का शव

मूर्ति विसर्जन के दौरान तेज बहाव में बह गया था मनीष, पत्नी और तीन बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल

स्मार्ट हलचल

खखरेरू/फतेहपुर थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव के पास ससुर खदेरी नदी में मूर्ति विसर्जन के दौरान तेज बहाव में बहे युवक मनीष का शव करीब 24 घंटे बाद शनिवार को एसडीआरएफ ने बरामद कर लिया। शव घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर मिला। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। शुक्रवार सुबह करीब 11:30 बजे मूर्ति विसर्जन के दौरान मनीष गहरे पानी में चला गया और तेज बहाव की चपेट में आकर बह गया। सूचना पर स्थानीय पुलिस और क्षेत्रीय गोताखोरों ने करीब सात घंटे तक नदी में तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। अंधेरा होने पर रेस्क्यू अभियान रोक दिया गया। हालांकि पुलिस बल पूरी रात घाट पर तैनात रहा और नदी में लगाए गए जाल व संभावित स्थानों पर निगरानी करता रहा। शनिवार सुबह करीब 10:30 बजे लखनऊ से एसडीआरएफ की 16 सदस्यीय टीम मौके पर पहुंची। करीब आधे घंटे की तैयारी के बाद टीम ने नदी में रेस्क्यू शुरू किया। लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर मनीष का शव बरामद कर लिया गया। शव बाहर निकलते ही पत्नी मंजू देवी और बच्चे महिमा (13), प्रिंस (10) व आनंद (8) का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिजनों की चीख-पुकार से मौके का माहौल गमगीन हो गया। बताया गया कि मनीष रेहड़ी लगाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के संबंध में थाना प्रभारी सत्यपाल सिंह ने बताया कि शव को पंचनामा कर के पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है

प्रतियोगी परीक्षाओं में आदिवासी युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए गांव-गांव बने तैयारी का माहौल

स्मार्ट हलचल

राकेश मीणा भीलवाड़ा। आदिवासी समाज की युवा प्रतिभाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं से जोड़ने और प्रशासनिक सेवाओं में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अब गांव स्तर से व्यवस्थित प्रयास करने की जरूरत है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, लेकिन उचित मार्गदर्शन, गुणवत्तापूर्ण कोचिंग, आर्थिक सहायता और अध्ययन संसाधनों के अभाव में कई युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की दौड़ में पीछे रह जाते हैं। ऐसे में स्कूल शिक्षा से लेकर प्रतियोगी परीक्षा तक एक सतत शिक्षा मॉडल तैयार किया जाना जरूरी है।

गांव-गांव चले प्रतियोगी परीक्षा जागरूकता अभियान

आदिवासी बहुल गांवों में UPSC, RPSC, स्ष्ट, बैंकिंग, रेलवे, पुलिस और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर जागरूकता अभियान चलाए जाने की जरूरत है। विद्यार्थियों और अभिभावकों को परीक्षा की पात्रता, पाठ्यक्रम, आवेदन प्रक्रिया, आरक्षण और तैयारी की रणनीति की जानकारी दी जाए, ताकि युवा समय रहते अपना लक्ष्य निर्धारित कर सकें।

मुफ्त गुणवत्तापूर्ण कोचिंग की हो व्यवस्था

आदिवासी बहुल जिलों में निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग सेंटर स्थापित किए जा सकते हैं। यहां अनुभवी शिक्षकों और विषय विशेषज्ञों के साथ नियमित

कक्षाएं, टेस्ट सीरीज, अध्ययन सामग्री और करियर काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

आर्थिक परेशानी प्रतिभा के रास्ते में बाधा न बने

कई विद्यार्थी आर्थिक स्थिति के कारण तैयारी नहीं कर पाते। ऐसे युवाओं के लिए आवेदन शुल्क, किताबें, टेस्ट सीरीज, यात्रा, हॉस्टल और अन्य आवश्यक खर्चों में सहायता देने की विशेष शिक्षा सहायता योजना बनाई जानी चाहिए।

10वीं-12वीं से हो प्रतिभाओं की पहचान

कक्षा 10वीं और 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें शुरुआती स्तर से प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जाए। इससे विद्यार्थियों को अचानक तैयारी शुरू करने के बजाय लंबे समय तक व्यवस्थित तैयारी का अवसर मिलेगा।

गांवों तक पहुंचे डिजिटल शिक्षा

दूरदराज के आदिवासी क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा केंद्र विकसित किए जाने चाहिए। स्मार्ट क्लास, इंटरनेट, ऑनलाइन लेक्चर, ई-लाइब्रेरी और ऑनलाइन टेस्ट जैसी सुविधाएं उपलब्ध होने से ग्रामीण विद्यार्थियों को बड़े शहरों की कोचिंग पर निर्भरता कम होगी।

सफल अधिकारी बनें युवाओं के मेंटर

IAS, IPS, IRS, डॉक्टर, इंजीनियर और अन्य क्षेत्रों में सफल आदिवासी अधिकारी युवाओं के लिए मेंटर की भूमिका निभा सकते हैं। नियमित संवाद और मार्गदर्शन से विद्यार्थियों को परीक्षा की रणनीति, समय प्रबंधन, विषय चयन और इंटरव्यू की तैयारी में मदद मिलेगी।

'एक जिला-100 विद्यार्थी' मॉडल

आदिवासी बहुल प्रत्येक जिले से कम से कम 100 होनहार विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें UPSC, RPSC और अन्य उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की विशेष तैयारी कराई जा सकती है। सफल होने वाले विद्यार्थियों को आगे आने वाली पीढ़ी के लिए रोल मॉडल के रूप में तैयार किया जाए।

आदिवासी युवतियों को भी मिले समान अवसर

प्रतियोगी परीक्षाओं में युवतियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए सुरक्षित छात्रावास, आवास, विशेष छात्रवृत्ति और महिला मेंटर की व्यवस्था जरूरी है। परिवारों को भी बेटियों की उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

स्थानीय भाषा में हो प्रारंभिक मार्गदर्शन

ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की प्रक्रिया, पाठ्यक्रम और तैयारी की रणनीति को सरल हिंदी और जरूरत के अनुसार स्थानीय भाषा में समझाने की व्यवस्था की जाए। शुरुआती स्तर पर भाषा की कठिनाई कई विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को प्रभावित करती है।

हर जिले में तैयार हो परीक्षा का डेटा

जिला स्तर पर यह आंकड़ा भी तैयार किया जाना चाहिए कि कितने आदिवासी युवा प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवेदन कर रहे हैं, कितने परीक्षा में शामिल हो रहे हैं और कितने चयनित हो रहे हैं। इस डेटा के आधार पर कमजोर क्षेत्रों की पहचान कर विशेष योजनाएं बनाई जा सकती हैं।

आरक्षण के साथ तैयारी का मजबूत आधार जरूरी

प्रतियोगी परीक्षाओं में आरक्षण से अवसर मिलता है, लेकिन सफलता के लिए मजबूत तैयारी और सही मार्गदर्शन जरूरी है। इसलिए आदिवासी समाज को स्कूल से प्रतियोगी परीक्षा तक एक ऐसा शिक्षा मॉडल तैयार करना होगा, जिसमें प्रतिभा की पहचान, कोचिंग, छात्रवृत्ति, डिजिटल शिक्षा, मेंटरशिप और लगातार मूल्यांकन शामिल हो। जरूरत इस बात की है कि आदिवासी समाज की प्रतिभाएं केवल शहरों तक सीमित न रहें, बल्कि गांव की पाठशाला से निकलकर प्रशासनिक सेवाओं के सर्वोच्च पदों तक पहुंचें।

नारा 'हर आदिवासी गांव से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, हर जिले से प्रशासनिक सेवाओं में भागीदारी।'

कुरेडा-देवरी सड़क बनी हादसों का जाल, जगह-जगह गहरे गड्ढे

टोंक मुख्यालय जाने वाले प्रमुख मार्ग पर रोजाना जोखिम में सफर, जिम्मेदारों की चुप्पी पर सवाल

स्मार्ट हलचल

पीपलू। कुरेडा से देवरी तक जाने वाली सड़क की बदहाल तस्वीर अब लोगों के लिए चिंता का बड़ा कारण बन गई है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हैं और इन गड्ढों के बीच से गुजरना वाहन चालकों के लिएकिसी खतरे से कम नहीं है। सड़क की हालत लगातार बिगड़ रही है, लेकिन जिम्मेदार विभाग की ओर से अब तक प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही। यह मार्ग कुरेडा सहित आसपास के गांवों के लोगों के लिए टोंक जिला मुख्यालय जाने का प्रमुख संपर्क मार्ग है। रोजाना बड़ी संख्या में दोपहिया, कार, जीप औरअन्य वाहन इस सड़क से गुजरते हैं। सड़क पर बने गड्ढों के कारण वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाने और वाहन को इधर-उधर मोड़ने की स्थिति बनती है, जिससे दुर्घटना का खतरा हर समय मंडराता रहता है।

बारिश में बढ़ जाता है खतरा

बारिश के बाद सड़क के गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई दिखाई नहीं देती। खासकर रात के समय सामने से आने वाले वाहनों की रोशनी और गड्ढों के कारण वाहन चालकों के लिए स्थिति बेहद जोखिम भरी हो जाती है। एक छोटी सी चूक गंभीर हादसे का कारण बन सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की हालत लंबे समय से खराब है। बार-बार समस्या सामने आने के बावजूद यदि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी बड़े हादसे के बाद जिम्मेदार जागेंगे क्या? ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि कुरेडा से देवरी तक सड़क का तत्काल निरीक्षण करवाकर गड्ढों को भरवाया जाए और सड़क की आवश्यक मरम्मत कराई जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यह मुख्य आवागमन का मार्ग है और इसकी अनदेखी सीधे तौर पर लोगों की सुरक्षा को खतरे में डाल रही है।

एडीएम सुदर्शन सिंह तोमर के निर्देश पर सब्जी मंडी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

फुटपाथ से सब्जी विक्रेताओं को हटाया, वेयरहाउस के बीच खाली जगह में ठेलों की व्यवस्था...

स्मार्ट हलचल

गंगापुर सिटी। नेहरू पार्क के सामने स्थित सब्जी मंडी में शनिवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं नगर परिषद प्रशासक सुदर्शन सिंह तोमर के निर्देश पर नगर परिषद की ओर से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान वेयरहाउस के आसपास तथा फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण हटाए गए। साथ ही मंडी क्षेत्र में व्यापक सफाई अभियान चलाकर कचरा एवं गंदगी हटाई गई। एडीएम सुदर्शन सिंह तोमर ने बताया कि उन्होंने लगातार दो दिन सब्जी मंडी क्षेत्र का दौरा किया। यहां गंदगी, मल-मूत्र, आवारा पशुओं एवं मच्छरों के कारण राहगीरों और आमजन को परेशानी हो रही थी। इस पर सफाई निरीक्षक को आवश्यक निर्देश दिए गए। शनिवार को सफाई निरीक्षक पिंटूराम मीणा की देखरेख में नगर परिषद की टीम जेसीबी, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों एवं सफाईकर्मियों के साथ मौके पर पहुंची और कार्रवाई की। नगर परिषद आयुक्त दीपक चौहान ने बताया कि सब्जी विक्रेताओं के बेतरतीब तरीके से बैठने के कारण मंडी में अतिक्रमण एवं गंदगी की समस्या बनी हुई थी। बारिश के दौरान कीचड़ फैलने से राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी होती थी। पुलिस जवानों की मौजूदगी में वेयरहाउस एवं मंडी क्षेत्र से अतिक्रमण हटाकर दिनभर सफाई कराई गई। कार्रवाई के बाद मुख्य रास्ते से सब्जी विक्रेताओं को हटाकर वेयरहाउस के बीच स्थित खाली जगह को समतल कराया गया तथा मिट्टी डलवाई गई। यहां ठेले खड़े करने के लिए स्थान निर्धारित कर व्यवस्था की गई, ताकि मुख्य रास्ता खुला रहे, यातायात बाधित न हो और गंदगी की समस्या भी कम हो। एडीएम तोमर ने कहा कि सफाई एवं अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से आमजन को राहत मिली है।

11 वर्षीय ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 13 से लटाला में खेलकूद को लेकर निकली ड्राज

स्मार्ट हलचल

काछोला - क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय लटाला में 70 वी मांडलगढ़ ब्लॉक स्तरीय 11 वर्षीय छात्र छात्रा खेलकूद,जिम्नास्टिक,एथलेटिक्स,साहित्यिक व सांस्कृतिक प्रतियोगिता 13 सितम्बर रविवार से शुरू होगी। खेलकूद को लेकर संस्था प्रधान राजमल रेगर की अध्यक्षता में हुई।मुख्य तकनीकी सलाहकार अरुण शर्मा ने बताया कि प्राथमिक,उच्च प्राथमिक,सीनियर स्कूल में अध्ययनरत 11 वर्षीय छात्र छात्राएं भाग ले रही है।प्रतियोगिता में कबड्डी,खो खो,जिम्नास्टिक ,एथलेटिक्स,साहित्यिक,सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में छात्र की 7 व छात्रा की 8 टीम भाग ले रही है।इसमें 375 खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता को लेकर शिक्षक राजमल रेगर,विमलेश कुमार वैष्णव सहित ग्रामीण उत्साह के साथ प्रतियोगिता के सफल संचालन को लेकर तैयारियों में जुटे हुए है।वही प्रतियोगिता के कबड्डी ,खो खो,जिम्नास्टिक,एथेलेटिक्स खेल मैदान सहित आदि को लेकर मुख्य तकनीकी सलाहकार अरुण शर्मा, व सहायक तकनीकी सलाहकार कैलाश चौधरी की देखरेख में बन रहे है। ड्राज में साहित्यिक सांस्कृतिक प्रभारी भगवान शंकर शर्मा,मोहम्मद शाबीर रंगरेज,भवानी सिंह मीणा ,राहुल छिपा,बंशी लाल धाकड़,भेरू लाल धाकड़,नारायण धाकड़ सहित आदि उपस्थित थे। विमलेश वैष्णव ने बताया कि प्रतियोगिता का समापन 14 सितंबर सोमवार को होगा। फोटो कैप्शन क्षेत्र लटाला में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता की ड्राज निकालते हुए।

राहुल मदेरणा ने उठाया सवालः मंडियां रहें, रोजगार चले, मगर शहर की सड़कें तो खुली रहें

भरतपुर की चार प्रमुख सब्जी मंडियों में अव्यवस्था से यातायात प्रभावित, अस्पताल जाने वाले रास्तों को लेकर सबसे बड़ी चिंता; स्थायी व्यवस्था की मांग

स्मार्ट हलचल

भरतपुर- शहर के चार प्रमुख स्थानों—जामा मस्जिद, अनाह गेट, कन्नी गुजर चौराहा और कुम्हेर गेट से सेक्टर-3 जाने वाले मार्ग पर अव्यवस्थित ठेलों, गौवंश और बेतरतीब पार्किंग के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है। राहुल मदेरणा का कहना है कि प्रशासन और आमजन मिलकर ऐसी व्यवस्था बना सकते हैं, जिसमें ठेला संचालकों का रोजगार भी प्रभावित ना हो और आम नागरिकों को जाम से भी राहत मिले।

-जामा मस्जिदः संकरी सड़क पर गौवंश और वाहनों का दबाव

शहर के बीचोंबीच स्थित जामा मस्जिद क्षेत्र की मंडी में रास्ता पहले से सीमित है। इसके बावजूद कई ग्राहक अपने दोपहिया वाहन लेकर मंडी के अंदर तक पहुंचते हैं और दुकानों के सामने ही वाहन खड़ा कर खरीदारी करने लगते हैं। दूसरी ओर दुकानों पर सामान सड़क की ओर आगे तक रखा जाता है। इससे पैदल चलने वालों और वाहनों के लिए बची जगह और कम हो जाती है। मंडी क्षेत्र में गौवंश के घूमने

से भी परेशानी बढ़ती है। सब्जियों का कचरा खुले में पड़े रहने से गंदगी के साथ गौवंश की आवाजाही भी बढ़ती है। यहां जरूरत है कि दोपहिया वाहनों का प्रवेश नियंत्रित हो, दुकानों की सीमा तय हो, बाहर वाहन खड़े करने की व्यवस्था हो और डस्टबिन व नियमित सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

-अनाह गेटः चौड़ी सड़क, फिर भी अव्यवस्था से जाम

अनाह गेट ऐतिहासिक महत्व वाला प्रमुख द्वार है। इसके आसपास सड़क अपेक्षाकृत चौड़ी होने के बावजूद ठेले, खाद्य सामग्री की दुकानें और बेतरतीब खड़े ऑटो-टेंपो यातायात को प्रभावित करते हैं। कुछ ही समय में वाहनों की भीड़ बढ़ने पर जाम की स्थिति बन सकती है। इसके साथ अनाह गेट के आसपास गंदगी और अव्यवस्थित कब्जे शहर की ऐतिहासिक पहचान पर भी असर डालते हैं।

-कन्नी गुजरः चौड़ी सर्कुलर रोड पर शाम को बढ़ता दबाव

कन्नी गुजर चौराहा सर्कुलर रोड पर है। सड़क चौड़ी होने के बावजूद शाम के समय मंडी के ठेलों और खरीदारी करने वालों की भीड़ के कारण यातायात प्रभावित होता है। सबसे गंभीर चिंता अस्पताल जाने वाले मार्ग को लेकर है। इस क्षेत्र से प्रमुख

अस्पतालों और सरकारी अस्पताल की ओर आवागमन होता है। जाम की स्थिति में मरीजों को लेकर जाने वाले वाहनों और एम्बुलेंस को परेशानी होती है।

-कुम्हेर गेट सेक्टर-3 प्रमुख मार्ग पर मंडी, वाहनों से और संकरा रास्ता

कुम्हेर गेट से सेक्टर-3 की ओर जाने वाले मार्ग पर सड़क किनारे लगे ठेलों और ग्राहकों द्वारा बेतरतीब खड़े किए जाने वाले वाहनों के कारण रास्ता काफी संकरा हो जाता है। यह मार्ग अलवर और डीग जिले की ओर जाने वाले यातायात के लिहाज से महत्वपूर्ण है। यहां बसों और बाहरी वाहनों का आवागमन भी रहता है। ऐसे में सड़क का हिस्सा घिर जाने से दोतरफा यातायात प्रभावित होता है और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। गौवंश की मौजूदगी तथा मंडी में खरीदारी करने वालों के वाहनों की बेतरतीब पार्किंग समस्या को और बढ़ाती है।

मदेरणा ने कहा कि सालभर आम नागरिक जाम, गंदगी और अव्यवस्था से जूझे और कभी-कभार कार्रवाई के बाद कुछ दिनों के लिए स्थिति सुधरे—यह स्थायी समाधान नहीं है। जरूरत है कि ऐसी व्यवस्था बने जो पूरे साल लागू रहे और जिसकी नियमित निगरानी भी हो। साथ ही मदेरणा ने

लोगों से भी अपील की है कि इस समस्या का समाधान केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है। आमजन को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। मंडी में खरीदारी के लिए वाहन ठेलों के सामने या सड़क के बीच खड़े नहीं किए जाने चाहिए। ठेला संचालकों को भी अपने ठेले सड़क की निर्धारित सीमा से पीछे रखने चाहिए। प्रशासन को वेंडिंग की जगह निर्धारित करने, पार्किंग व्यवस्था बनाने, गौवंश के प्रबंधन, सफाई और नियमित निगरानी की जिम्मेदारी निभानी होगी। खासकर अस्पताल जाने वाले मार्गों पर किसी भी स्थिति में यातायात बाधित नहीं होना चाहिए।

राजस्थान के 29 जिलों में आज तेज बारिश का अलर्ट

जोधपुर में एक महीने बाद हुई बरसात, दो जिलों में पारा 40 डिग्री के पार

स्मार्ट हलचल

जयपुर राजस्थान में आज 29 जिलों में तेज बारिश का यलो अलर्ट है। शनिवार को जयपुर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर संभाग के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। सबसे ज्यादा बारिश उदयपुर संभाग में हुई, जहां करीब 2 इंच तक पानी बरसा। जोधपुर शहर व आसपास के एरिया में करीब एक महीने बाद हल्की बरसात हुई। मौसम विभाग के मुताबिक राज्य में बारिश का ये दौर 16 सितंबर तक दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में जारी रहेगा। जबकि पश्चिमी जिलों में अगले सप्ताह के आखिरी से मानसून की विदाई का चरण शुरू हो सकता है। इधर, जोधपुर, बीकानेर संभाग के एरिया में वेस्टर्न विंड (पश्चिमी हवाएं) स्ट्रांग होने से गर्मी तेज होने लगी है। शनिवार को जैसलमेर, बाड़मेर में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

भगवान गणेश को चढ़ाएं ये चीजें, दूर होंगी सभी विघ्न-बाधाएं

गणपति बप्पा मोरया अब हर जगह पर आपको यही आवाज सुनाई देगी। 14 सितंबर से गणपति का आगमन हो रहा है, जिसकी तैयारियां पूरी हो गई हैं। किसी ने मंदिर को सजाना शुरू कर दिया है, तो किसी ने अपने घर में गणपति को रखने के लिए जगह सजनी शुरू कर दी है। लेकिन आपको गणपति लाने से पहले कई सारी चीजें हैं, जिनका खास ध्यान रखना जरूरी होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे आपका पूजन संपन्न होता है। साथ ही, आपकी सारी मनोकामना पूरी होती है। चलिए आपको बताते हैं कौन सी बातें हैं, जिन्हें जानना जरूरी होता है।

गणेश जी को चढ़ाएं दूर्वा की माला

गणेश जी को दूर्वा बेहद प्रिय होती है। इसलिए कई सारे लोग गणेश पूजन के समय इसे गणपति जी को जरूर चढ़ाते हैं। लेकिन गणेश उत्सव के समय अगर आप 51 दूर्वा दूर्वा की माला चढ़ाएंगी, तो इससे आपकी मनोकामना जल्दी पूरी होगी। लेकिन यह आपको तब तक चढ़ानी है, जब तक आपके घर में गणपति विराजमान हैं। इससे आपके घर में पॉजिटिविटी बनी रहेगी। साथ ही, आपकी सारी इच्छा पूरी हो जाएगी।

गणेश जी को चढ़ाएं सिंदूर

हम सभी को यह तो पता है कि हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाया जाता है। लेकिन यह वही लोग चढ़ाते हैं, जिनकी मांगी हुई इच्छा पूरी होती है। आप इसी सिंदूर को गणपति को चढ़ाएं। इससे भी आपकी इच्छा पूरी होगी। इस सिंदूर को आप अपने घर में रखे गणपति पर चढ़ाएं। इसके बाद रोजाना इसका टिका लगाएं। इससे आपके सारे काम बन जाएंगे।

इन मत्रों का करें जाप

गणेश पूजन के समय घर में सुबह और शाम पूजा होती है। इस पूजा में आरती की जाती है। लेकिन अगर आपको भगवान गणेश को प्रसन्न करना है, तो इसके लिए आप एक मंत्र का जाप जरूर करना चाहिए। गणेश पूजा मंत्र- ॥ ऊँ गं गणपतये नमः ॥ इस मंत्र का जप करें। आप चाहें तो इसे किसी पेपर पर भी लिख सकती हैं। इससे आपके सारे काम बनने शुरू हो जाएंगे। इस मंत्र को आपको रोजाना चेंट करना है।

भगवान गणेश को प्रसन्न करने के लिए इन उपायों को करें। इससे आपकी सारी बाधाएँ दूर हो जाएगी और सफलता प्राप्त होगी। इस दिन की गई आराधना से बुद्धि, विवेक में वृद्धि होती है, जिससे मानसिक शांति और सफलता की प्राप्ति होती है। इसलिए आपको यह उपाय जरूर करना चाहिए। पंडित जी के बताए गए इन उपायों को करने से आपके सारे काम बन जाएंगे। साथ ही, आपकी इच्छाएं पूरी होगी।

गणेश चतुर्थी कब है शुभ तिथि, योग, मुहूर्त और पूजा का महत्व

सनातन धर्म में गणेश चतुर्थी का पर्व बेहद सौभाग्यशाली माना जाता है। इस दौरान भक्त गणपति बप्पा की प्रतिमा अपने घर में स्थापित करते हैं।

हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। इस दौरान बप्पा की पूजा-अर्चना विधिवत रूप से करने का विधान है। भगवान गणेश को बुद्धि, समृद्धि और सौभाग्य का कारक माना जाता है। बप्पा सभी देवी-देवताओं में सबसे पहले पूजे जाने वाले देवता है। इनकी पूजा करने के बाद ही देवी-देवता की पूजा करने का मान्यता है। आपको बता दें, वैसे तो हर महीने चतुर्थी तिथि के दिन भगवान गणेश की पूजा करने का विधान है। लेकिन भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली चतुर्थी तिथि को बेहद खास माना जाता है। वहीं अनंत चतुर्थी के दिन बप्पा को विदा करते हैं। अब ऐसे में इस साल गणेश चतुर्थी कब से आरंभ हो रहा है। पूजा का शुभ मुहूर्त कब है। इस पर्व का महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य से विस्तार से जानते हैं।

गणेश चतुर्थी के दिन पूजा का महत्व क्या है?

भगवान गणेश को विघ्नहर्ता कहा जाता है। माना जाता है कि उनकी पूजा करने से सभी प्रकार के विघ्न दूर होते हैं और कार्य में सफलता मिलती है। गणेश चतुर्थी को नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन नए काम की शुरुआत करना शुभ माना जाता है। भगवान गणेश को ज्ञान और

बुद्धि का देवता भी माना जाता है। उनकी पूजा करने से बुद्धि में वृद्धि होती है और ज्ञान प्राप्त होता है। गणेश जी की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि आती है। गणेश जी की पूजा से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

गणेश चतुर्थी कब है?

पंचांग की गणना के अनुसार, चतुर्थी तिथि का आरंभ 14 सितंबर को सुबह में 7 बजकर 6 मिनट पर आरंभ होगी और 15 सितंबर को सुबह में 7 बजकर 45 मिनट पर खत्म होगी। ऐसी मान्यता है कि गणेशजी का जन्म दोपहर के समय हुआ था।

इसलिए गणेश चतुर्थी का पर्व 14 सितंबर को ही मनाया जाएगा।

इस बार 12 दिनों का रहेगा गणेश उत्सव

गणेश उत्सव आमतौर पर 10 दिनों का होता है, लेकिन हिन्दू पंचांग के अनुसार गणना और तिथियों के विशेष संयोग के कारण वर्ष 2026 में गणेशोत्सव 12 दिनों तक मनाया जा रहा है। यह एक दुर्लभ खगोलीय व धार्मिक संयोग है, जो लगभग 9 साल बाद (2017 के बाद) बन रहा है। इस बार कई शुभ योग में यह गणेश उत्सव मनाया जाएगा।

कारण: चन्द्र पंचांग के अनुसार तिथियों के घटने-बढ़ने (वृद्धि तिथि) और सूर्योदयकालीन तिथि गणना के कारण चतुर्थी तिथि से अनंत चतुर्दशी तक की कुल अवधि 12 दिनों की हो रही है।

कैसे करें गणपति की स्थापना और पूजा

- प्रातःकाल स्नान के बाद सबसे पहले व्रत और पूजा का संकल्प लें।
- घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में एक चौकी पर पीला कपड़ा बिछाएं।
- गणेश जी की मूर्ति को स्थापित करें, उन पर गंगाजल छिड़कें और उनका अभिषेक करें।
- गणपति को सिंदूर, दूर्वा (21 पत्तियाँ), लाल फूल, मोदक, लड्डू, नारियल, गन्ना, फल और नैवेद्य अर्पित करें।
- गणेश चालीसा, अथर्वशीर्ष या फिर गणपति स्तोत्र का पाठ करें।
- पूजा के अंत में घंटा, शंख और मंजीरे के साथ गणेश जी की आरती करें।
- यह पूजा प्रक्रिया सायंकाल के समय भी दोहराई जाती है, ताकि दिन भर गणेशजी की उपासना बनी रहे। पूजा के बाद किसी ब्राह्मण को भोजन और दान देकर फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें।

घर में कितने दिनों तक रखनी चाहिए बप्पा की मूर्ति?

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, इस साल गणेशोत्सव की शुरुआत 14 सितंबर से हो रही है। इस दौरान लगभग सभी अपने घरो में गणपति को स्थापित कर उनकी पूजा करते हैं। गणेश जी को वैसे तो घर में पूरे 10 दिनों तक रखने का विधान है। आखिरी दिन नदी,कुंड या तालाबों में विसर्जित कर दिया जाता है, लेकिन श्रद्धा, भक्ति और क्षमता के अनुसार लोग 1, 3, 5 या 7 दिनों तक भी घर में गणपति जी को रखकर उनकी विदाई कर सकते हैं। हालांकि, अधिकांश भक्त अनुष्ठान पूजा के बाद अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन कर बप्पा की विदाई करते हैं।

गणपति स्थापना में कलश क्यों है जरूरी? कौन सी 7 चीजें रखते हैं कलश में

गणेश चतुर्थी का पर्व भगवान गणेश के जन्मोत्सव के रूप में पूरे देश में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है. इस दिन घरों और पंडालों में विधि-विधान से गणपति की स्थापना की जाती है. इस बार गणेश चतुर्थी का पर्व 14 सितंबर दिन सोमवार को मनाया जाएगा. हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को घरों और पंडालों में गणेशजी की स्थापना की जाती है और पर्व की शुरुआत हो जाती है. 10 दिन तक चलने वाले इस पर्व का समापन भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि यानी अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश विसर्जन के साथ हो जाता है. गणपति स्थापना की पूजा में मूर्ति के साथ कलश स्थापना का भी विशेष महत्व माना गया है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कलश को शुभता, समृद्धि और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है. भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता कहा जाता है. मान्यता है कि किसी भी शुभ कार्य से पहले गणेशजी की पूजा करने से कार्य में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं और सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है. गणेश चतुर्थी पर घर में गणपति की स्थापना करना श्रद्धालुओं के लिए भगवान के स्वागत का प्रतीक है. पूजा के दौरान भक्त भगवान गणेश को दूर्वा, मोदक, लड्डू और लाल फूल अर्पित करते हैं. इसके बाद आरती और मंत्र-जाप किया जाता है. गणपति स्थापना केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि परिवार में सुख-शांति, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा की कामना से जुड़ी परंपरा भी है.

क्यों जरूरी माना जाता है कलश?

हिंदू पूजा पद्धति में कलश को देवताओं का प्रतीक माना जाता है. गणेशजी की स्थापना से पहले पूजा स्थल की शुद्धि करके कलश स्थापित किया जाता है. सामान्यतः मिट्टी, तांबे या पीतल के कलश में जल भरकर उसके ऊपर आम या अशोक के पत्ते और नारियल रखा जाता है. मान्यता है कि कलश में जल जीवन और ऊर्जा का प्रतीक है, जबकि नारियल पूर्णता और शुभता का प्रतीक माना जाता है. कलश की स्थापना से पूजा स्थल को पवित्र और सकारात्मक बनाने की परंपरा है. गणेश चतुर्थी पर गणपति स्थापना के दौरान कलश को भगवान गणेश के समीप रखा जाता है. कई परिवारों में कलश को पूजा की शुरुआत में स्थापित किया जाता है और इसके बाद गणेशजी का आह्वान, संकल्प और पूजन किया जाता है. धार्मिक दृष्टि से यह पूरी पूजा को शुभ आधार प्रदान करने वाली परंपरा मानी जाती है.

कलश में रखी जाने वाली 7 चीजें

स्वच्छ जल, अक्षत यानी चावल, सुपारी, सिक्का, गंगाजल, आम या अशोक के पत्ते, नारियल

गणेश स्थापना के लिए कैसे रखें कलश

धार्मिक मान्यताओं में कलश को मंगल, शुभता और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है. गणेश स्थापना के समय पूजा स्थल को साफ करके चौकी पर कलश रखें. हमेशा गणेश स्थापना से पहले पूजा स्थल की शुद्धि करके कलश की स्थापना की जाती है. कलश में शुद्ध जल भरें और उसमें अक्षत, गंगाजल, सुपारी व सिक्का डालें. कलश के मुख पर आम या अशोक के पत्ते रखें और ऊपर नारियल स्थापित करें. कलश के पास भगवान गणेश की मूर्ति रखें. इसके बाद कलश और गणपति का विधिवत पूजन करें. हालांकि कलश स्थापना की विधि और उसमें रखी जाने वाली सामग्री अलग-अलग क्षेत्रों और परिवारों की धार्मिक परंपराओं के अनुसार थोड़ी अलग हो सकती है. इस प्रकार कलश और गणपति स्थापना का संबंध पूजा की पवित्रता, शुभता और मंगलकामना से जुड़ा हुआ है. मान्यता है कि श्रद्धा और विधि-विधान से की गई गणेश पूजा से भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं और भक्तों के जीवन से विघ्न दूर करते हैं.

गणपति बप्पा की पूजा करने से मिलते हैं ये लाभ, पूरी होती है सारी मनोकामना

हमारे देश में आजकल पूजा-पाठ भी सुविधा के अनुकूल हो गई है। पहले आराधना का अर्थ सर्वोच्च शक्ति को याद करते हुए मंत्रों और अनुष्ठानों में पूरे दिल और आत्मा से लगना होता था। लेकिन समय के साथ जैसे-जैसे तकनीकी छलांग बढ़ती जा रही है, देवताओं की पूजा की पूरी अवधारणा में व्यापक बदलाव आया है। आज लोगों को दूसरों से बात करते, टीवी देखते और यहां तक कि खाते या पीते हुए भी अपने देवता के नाम का जाप करते देखा जा सकता है। यह सब आज लोगों की पूजा का तरीका है।

बुद्धि- भगवान गणेश का हाथी वाला सिर ज्ञान का प्रतीक है। इसलिए अगर आप गणेश की पूजा करती हैं तो आप जानबूझकर या अवचेतन रूप से ज्ञान प्राप्त कर सकती हैं। अगर आपने भगवान गणेश को अपने सर्वोच्च देवता के रूप में पूजा करने के लिए चुना है तो इसका मतलब है कि आपको उनकी शक्तियों में से एक के रूप में ज्ञान पसंद है। इस प्रकार रोजाना भगवान गणेश की पूजा करना जीवन की आपकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं की याद दिलाता है और आप ज्ञान प्राप्त करने के लिए इसका पीछा करते हैं।

सौभाग्य - ऐसा माना जाता है कि भगवान गणेश सौभाग्य और धन के देवता हैं। अगर आप उनकी भक्त बन जाती हैं और भाग्य को प्राप्त करने के लिए अपने दिल से काम करती हैं तो आप खाली हाथ नहीं लौटेंगी। आप समर्पण की एक उन्नत अवस्था प्राप्त करेंगी और अपने जीवन में धन और शक्ति की प्रचुरता की ओर आसानी से काम करेंगी। आपको बस अपने वास्तविक जीवन में उनके पाठों का पालन करना है। अगर आप अक्सर अपना आपा खो देती हैं तो धैर्य क्रोध को नियंत्रित करने की कुंजी है। भगवान गणेश के बड़े कान इस बात का प्रतीक हैं कि वह एक अच्छे श्रोता हैं और अगर आप खुद को उनके प्रति समर्पित करती हैं और अपने आंतरिक शक्ति पर ध्यान केंद्रित करती हैं तो आपमें धीरे-धीरे समान स्तर का धैर्य विकसित होता है। यह निश्चित रूप से आपको एक बेहतर इंसान बनने में मदद करेगा।

समृद्धि - हर कोई एक समृद्ध और हेल्दी जीवन का सपना देखता है और यह बहुत हद तक आपके द्वारा चुनी गई जीवनशैली पर निर्भर करता है। जब आपने भगवान गणेश को अपना देवता चुना और उन्हें अपनी पूजा अर्पित की, तो आप उत्साहपूर्वक सफलता प्राप्त करने की दिशा में काम करती हैं। आप खुद को दृढ़निश्चयी और आसानी से तैयार पाएंगी जो आपको आपकी भलाई की ओर ले जाएगा।

आपकी आत्मा शुद्ध होगी - भगवान गणेश में ध्यान और विश्वास करने से आप अपने आचरण में अंतर को नोटिस और शांति की भावना का अनुभव कर सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि जो कोई भी अपना जीवन उसके प्रति समर्पित करता है वह आत्मा को शुद्ध कर देते हैं क्योंकि आप अच्छे कार्यों पर ध्यान केंद्रित और अपने जीवन में नकारात्मकता को दूर करती है जिससे आपकी आत्मा शुद्ध होती है।

ज्ञानी बनेंगे हैं आप - भगवान गणेश सभी देवताओं में सबसे बड़े ज्ञानी माने जाते हैं। यह उनके सबसे मजबूत गुणों में से एक है। जब आप उसे आत्मज्ञान के एकमात्र मकसद से पूजती हैं तो आप खुद को रूपांतरित होते देखेंगी।

सभी बाधाएं होती हैं दूर

गणेशजी को विघ्नहर्ता माना जाता है। जब आप पूरे विश्वास के साथ भगवान गणेश की पूजा करते हैं तो वह आपका मार्गदर्शन करते हैं और आपको सभी चीजों से लड़ने का साहस प्रदान करते हैं। आप अपने डर पर विजय पाकर अपने जीवन की सभी बाधाओं को दूर कर सकती हैं। आप अपने अंदर छिपे गुणों को अनलॉक करती हैं और किसी भी मुश्किल स्थिति को आसानी से पार कर लेती हैं।

● एशियन गेम्स 2026 से पहले भारत को झटका

● अन्नू रानी ने 2022 में जीता था स्वर्ण पदक

3 एथलीट भारतीय दल से बाहर

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 का आयोजन 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान के आइची-नागोया में होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट से पहले भारत को एक और झटका लगा है। हाल ही में जहां भारत के दो रेसलर डोपिंग के कारण बाहर हो गए थे। वहीं अब तीन स्टार एथलीट भारतीय दल से बाहर हो गए हैं। खास बात यह है कि इन तीन एथलीट में से एक नाम है भारत की स्टार महिला जैवलिन थ्रोअर अन्नू रानी का जिन्होंने 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था।

आपको बता दें पिछली बार की स्वर्ण पदक विजेता अन्नू रानी समेत उभरते हुए लॉन्ग जम्प एथलीट शहनवाज खान और रेसर नित्या गांधे को प्रदर्शन और चिकित्सकीय कारणों के चलते भारत की एशियाई खेलों की एथलेटिक्स टीम से बाहर कर दिया गया है। इसके साथ ही जापान जाने वाली भारतीय ट्रैक एवं फील्ड टीम की संख्या घटकर 74 रह गई है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने इससे पहले आगामी एशियाई खेलों के लिए 77 एथलीटों का चयन किया था। बृहस्तिवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित इंडियन एथलेटिक्स सीरीज फाइनल के बाद टीम में बदलाव किया गया। इस प्रतियोगिता को अंतिम पुष्टि के लिए चयन ट्रायल के तौर पर आयोजित किया गया था।

एएफआई चयन समिति के अध्यक्ष अदिल सुमरिवाला ने पीटीआई से कहा, 'अन्नू ने बृहस्पतिवार को हुए अंतिम ट्रायल में एएफआई द्वारा निर्धारित क्वालीफाइंग मार्क हासिल नहीं किया, इसलिए उन्हें एशियाई खेलों के लिए नहीं चुना गया।' उन्होंने कहा, 'नित्या और शहनवाज खराब प्रदर्शन और चिकित्सकीय कारणों से एशियाई खेलों में नहीं जाएंगे।'

तीनों खिलाड़ियों को टीम से बाहर करने का फैसला शुक्रवार को एएफआई चयन समिति की ऑनलाइन बैठक में लिया गया। अब भारतीय एथलेटिक्स टीम के 74 सदस्य शनिवार को नयी दिल्ली से जापान के लिए रवाना होंगे।

भारत-श्रीलंका 7वीं बार आज खेलेंगे फाइनल मुकाबला

7वीं बार खेलेंगे फाइनल

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 का फाइनल मुकाबला भारत और श्रीलंका के बीच 13 सितंबर यानी रविवार को खेला जाएगा। महिला एशिया कप के इतिहास में ये 7वां मौका होगा जब खिताबी जीत के लिए भारत और श्रीलंका की टीम आमने-सामने होंगे। इससे पहले भारत और श्रीलंका के बीच 6 बार फाइनल मुकाबले खेले जा चुके हैं जिसमें टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा है। भारत ने इस बार बांग्लादेश और श्रीलंका ने पाकिस्तान को सेमीफाइनल में हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

भारत और श्रीलंका के बीच महिला एशिया कप में 7वीं बार फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले दोनों टीमों के बीच 6 फाइनल खेले जा चुके हैं जिसमें से भारत को 5 बार जीत मिली जबकि श्रीलंका ने एक बार भारत के खिलाफ जीत हासिल की थी। भारत और श्रीलंका के बीच 2004, 2005-06, 2006, 2008, 2022 और 2024 फाइनल में भिड़ंत हुई थी जिसमें से भारत ने 2004, 2005-06, 2006, 2008, 2022 के फाइनल में श्रीलंका को हराया था। वहीं श्रीलंका की टीम ने साल 2024 के फाइनल में भारत को हराया था। अब दोनों देश 2026 में एक बार फिर से फाइनल में खेलते हुए नजर आएंगे। इस बार महिला एशिया कप का 10वां सीजन खेला जा रहा है। महिला एशिया कप की शुरुआत 2004 में हुई थी और पिछले 9 सीजन में भारत 7 बार चैंपियन बन चुका है। भारत ने साल 2004, 2005-06, 2006, 2008, 2012, 2016, 2022 में चैंपियन बनने की उपलब्धि अपने नाम की थी।

पाकिस्तान को हराकर श्रीलंका ने कटाया फाइनल का टिकट

दुबई। विमेंस एशिया कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीलंका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 4 विकेट से हराया। इस जीत के साथ ही श्रीलंका ने फाइनल में जगह बना ली है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका की बल्लेबाजों ने पाकिस्तान से मिले 131 रनों के लक्ष्य को 18.4 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल किया। 131 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान चमारी अटापट्टू 5 रन बनाकर फातिमा सना का शिकार बनीं। संजना कविंदी बिना खाता खोले पवेलियन लौटीं। हसीना परेरा सिर्फ 3 रन ही बना सकीं। इमेशा दुलानी अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाईं और 21 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुईं। हर्षिता समरविक्रमा ने 31 गेंदों का सामना करते हुए 36 रनों की अहम पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 2 चौके लगाए। कविशा दिलहारी ने 33 रनों का योगदान दिया। अंत के ओवरों में नीलाक्षी डी सिल्वा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 10 गेंदों में 3 चौकों की मदद से नाबाद 18 रन बनाए, जबकि कौशानी नुथ्यंगना 4 गेंदों में 10 रन बनाकर नाबाद रहीं। 19वें ओवर की चौथी गेंद पर नीलाक्षी ने फातिमा सना की गेंद पर चौका लगाते हुए श्रीलंका को फाइनल का टिकट दिलाया। इससे पहले, टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

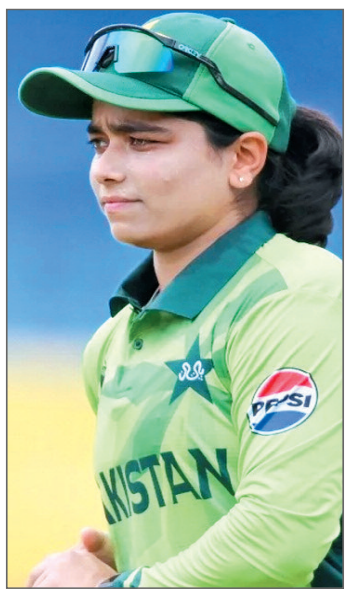

यूएस ओपनः करेन खाचानोव को दी मात

अलेक्जेंडर ज्वेरेव फाइनल में पहुंचे

न्यूयॉर्क। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 एकल के फाइनल में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने सेमीफाइनल में करेन खाचानोव को 6-3, 7-6(7), 7-6(6) से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। मैच की शुरुआत में ज्वेरेव नियंत्रण में दिख रहे थे। उनकी सर्व ने उन्हें एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म दिया, जबकि उनके बेसलाइन गेम ने खाचानोव को बार-बार असहज स्थिति में डाला।

रूसी खिलाड़ी के 3-3 से बराबर होने के बाद, ज्वेरेव ने अहम मौके पर अपनी तेजी बढ़ाई ताकि उन्हें जरूरी एकमात्र ब्रेक मिल सके और पहला सेट जीत सकें। खाचानोव ने दूसरे सेट में जोरदार जवाब दिया। ज्वेरेव शुरू में 2-0 से आगे हो गए, लेकिन रूसी खिलाड़ी को दोनों विंग से ज्यादा आक्रामकता मिली और उन्होंने सेट पलट दिया। वह 5-4 से आगे हो गए और ज्वेरेव पर दबाव डाला, इससे पहले कि जर्मन खिलाड़ी ने मजबूती से टिककर टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया।

टाई-ब्रेक हिम्मत का टेस्ट बन गया। ज्वेरेव ने दो सेट पॉइंट गंवाए लेकिन अपने तीसरे मौके का फायदा उठाकर फाइनल से एक सेट के अंदर पहुंच गए। खाचानोव ने मैच

का अपना सबसे अच्छा टेनिस खेला था, फिर भी ज्वेरेव ने दबाव वाले क्षणों में भी धैर्य से खेल बढ़ाया। तीसरा सेट भी छोटे-छोटे अंतरों की लड़ाई थी। ज्वेरेव पहले 5-4 और बाद में 6-5 से आगे थे। लेकिन खाचानोव ने दोनों बार गेम बनाए रखा और एक और टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया।

'मैं ज्यादा कुछ नहीं कर सकती', वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर एक का ताज छीनने के बाद बोलीं सबालेंका

न्यूयॉर्क। एलेना रिबाकिना विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने बेलारूस की आर्यना सबालेंका की बादशाहत को खत्म करते हुए नंबर एक की कुर्सी हासिल की। सबालेंका ने नंबर एक की पोजीशन गंवाने के बाद कहा कि वह इसमें ज्यादा कुछ नहीं कर सकती हैं। एलेना रिबाकिना और आर्यना सबालेंका रविवार को यूएस ओपन 2026 के महिला सिंगल्स फाइनल मुकाबले में भिड़ेंगी। दोनों के बीच यह मुकाबला आर्थर ऐश स्टेडियम में खेला जाएगा। सबालेंका ने कहा कि दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी बनना बिल्कुल आसान नहीं है। उन्होंने माना कि सीजन के बीच में उनका प्रदर्शन थोड़ा गिर गया था, लेकिन नंबर एक की पोजीशन को गंवाना उन्होंने थोड़ा अजीब बताया। सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को हराने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, 'मैं अच्छी तरह समझती हूं कि वर्ल्ड नंबर 1 तक पहुंचना कितना मुश्किल है।

सार-समाचार

अमेजन वॉरियर्स ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हराया

गुयाना। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 33वां मुकाबला प्रोविडेंस स्टेडियम में त्रिनबागो नाइट राइडर्स और गुयाना अमेजन वॉरियर्स के बीच खेला गया। अमेजन वॉरियर्स ने अपना शानदार प्रदर्शन बरकरार रखा और त्रिनबागो को 6 विकेट से हरा दिया। अमेजन के लिए शे होप ने नाबाद 42 रन बनाए। अमेजन वॉरियर्स ने जीत के लिए मिले 127 रन के लक्ष्य को 18.4 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। अमेजन के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज शे होप ने 35

गेंदों पर नाबाद 42 रन की पारी खेली। होप ने जस्टिन ग्रीव्स को चौका और छक्का लगाते हुए मैच खत्म किया। होप ने अपनी पारी में 2 छक्का और 1 चौका लगाया। इसके अलावा, शिमरोन हिटमायर ने 28, मानवेंद्र दिनदयाल ने 19, क्विंटन सैंपसन ने 12 और ग्लेन फिलिप्स ने 11 रन बनाए।
त्रिनबागो के लिए सुनील नरेन ने बेहद किफायती गेंदबाजी की और 4 ओवर में 1 मेडन फेंकते हुए मात्र 13 रन देकर 1 विकेट लिए। उस्मान तारिक ने 4 ओवर में 19 रन देकर 1 और लाहिरु कुमारा ने 4 ओवर में 30 रन देकर 1 विकेट लिए। अकील हुसैन ने भी 4 ओवर में 31 रन देकर 1 विकेट लिया। सुनील नरेन और उस्मान तारिक की किफायती गेंदबाजी भी त्रिनबागो को हार से नहीं बचा सकी। टीम को स्कोर बोर्ड पर कम रन होने का खामियाजा भुगतना पड़ा।
इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 8 विकेट पर 126 रन बनाए थे। जस्टिन ग्रीव्स ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने 16 गेंदों पर 26, और एलेक्स हेल्स ने 26 गेंदों पर 22 रन बनाए। अकील हुसैन ने 12 और किरोन पोलार्ड ने 10 रन बनाए। गुयाना अमेजन वॉरियर्स की तरफ से मेहदी हसन मिराज ने 4 विकेट लिए। शमार जोसेफ ने 2, जबकि ड्वेन प्रिटोरियस और कप्तान इमरान ताहिर ने 1-1 विकेट लिए।

कॉनर एस्टरहुइजेन ने खेली शतकीय पारी

साउथ अफ्रीका ने दूसरे वनडे में नामीबिया को 157 रनों से रौंदा

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका ने नामीबिया को दूसरे वनडे मुकाबले में 157 रनों से रौंदा। साउथ अफ्रीका से मिले 336 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए नामीबिया की पूरी टीम 178 रन बनाकर ऑलआउट हुई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नामीबिया की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम के दोनों सलामी बल्लेबाज माइकल वैन लिंगेन और मालन क्रूगर बिना खाता

खोले पवेलियन लौटे। वहीं, जेन फ्रीलिंक भी बिना कोई रन बनाए आउट हुए। लॉरेन स्टीनकैंप भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 12 रन बनाकर पवेलियन लौटे। जैन निकोल लॉफ्टी-ईटन भी महज 6 रन बनाकर आउट हुए। नामीबिया की टीम महज 32 के स्कोर पर 5 विकेट गंवाकर मुश्किल में दिख रही थी। हालांकि, जेन ग्रीन ने कप्तान गेरहार्ड इरास्मस का साथ देने का प्रयास किया और छठे विकेट के लिए 27 रन जोड़े। ग्रीन 11 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद जैन बाल्ट ने सातवें विकेट के लिए इरास्मस संग मिलकर 71 रनों की साझेदारी निभाई। बाल्ट 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे।
इरास्मस ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 84 गेंदों में 68 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 6 चौके और एक छक्का लगाया। रुबेन ट्रम्पेलमैन ने 27 गेंदों में 30 रन बनाए, जबकि वाल्डो स्मिथ ने 10 रनों का योगदान दिया। साउथ अफ्रीका की ओर से डुआन जानसेन ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 31 रन देकर 4 विकेट चटकाए। वहीं, ईथन बॉश ने 3 विकेट अपने नाम किए।
इससे पहले, साउथ अफ्रीका की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही और जॉर्डन हरमन 24 गेंदों में 20 रन बनाने के बाद आउट हुए। हालांकि, इसके बाद कॉनर एस्टरहुइजेन और टोनी डी जोर्जी ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 168 गेंदों में 183 रन जोड़े। टोनी जोर्जी ने 87 गेंदों में 6 चौके और एक छक्के की मदद से 79 रन बनाए।

ओडिशा टी-20 लीग 2026

सीएम ट्रॉफी के ब्रांड एंबेसडर बने रैना और देबाशीष मोहंती

कटक। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती को **'ओडिशा टी 20 लीग'** 2026 सीएम ट्रॉफी का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। यह टूर्नामेंट 20 से 29 सितंबर तक कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा। इन दो पूर्व भारतीय क्रिकेटरों की नियुक्ति से टूर्नामेंट की अहमियत और बढ़ जाएगी। इस टूर्नामेंट का मकसद ओडिशा के युवा और उभरते हुए क्रिकेटरों को अपना हुनर दिखाने और कीमती अनुभव हासिल करने का मंच देना है। इस टूर्नामेंट में कुल छह टीमें भुवनेश्वर टाइगर्स, पुरी टाइटन्स, क्योंझर माइनर्स, राउरकेला सुपरस्टार्स, संबलपुर वॉरियर्स और कटक पैंथर्स हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट की शुरुआत 20 सितंबर को होगी, जिसमें पहला मैच संबलपुर वॉरियर्स और कटक पैंथर्स के बीच खेला जाएगा। इस प्रतियोगिता में लीग-स्टेज और नॉकआउट मैच होंगे। प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर रहने वाली टीम को बाराबती स्टेडियम में होने वाले फाइनल में सीधे जगह मिलेगी। इस स्टेडियम में पहले भी इंटरनेशनल मैच हो चुके हैं। दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें क्वालीफायर में एक-दूसरे का सामना करेंगी और जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। 28 सितंबर को महिलाओं का एक एग्जीबिशन मैच भी खेला जाएगा, जो क्रिकेट फैंस के लिए एक और आकर्षण होगा। **'ओडिशा टी 20 लीग'** लीग 2026 सीएम ट्रॉफी का ग्रैंड फाइनल 29 सितंबर को कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दो बेहतरीन टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी।
लीग का ब्रांड एंबेसडर बनने पर सुरेश रैना ने कहा, 'छह टीमें एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करेंगी, जिससे 10

दिनों तक रोमांचक और जबरदस्त क्रिकेट देखने को मिलेगा। यह खिलाड़ियों के लिए अपना हुनर दिखाने और प्रतिस्पर्धी माहौल में खुद को साबित करने का एक शानदार मंच होगा। अपनी तारीखें नोट कर लें और एक ब्लॉकबस्टर टूर्नामेंट के लिए तैयार हो जाएं। जय जगन्नाथ।'
देबाशीष मोहंती ने भी ऐसी ही भावनाएं जाहिर कीं और कहा, 'ओडिशा में क्रिकेट फैंस का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। **'ओडिशा टी 20 लीग'** सीएम ट्रॉफी 20 से 29 सितंबर तक कटक के बाराबती स्टेडियम में खेली जाएगी, जिसमें छह टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। यह टूर्नामेंट हमारे खिलाड़ियों को अपनी स्किल्स दिखाने और दबाव वाले माहौल में खेलने का एक मजबूत प्लेटफॉर्म देगा। मैं इस टूर्नामेंट को आयोजित करने की कोशिशों के लिए ओडिशा क्रिकेट एसोसिएशन का शुक्रगुजार हूं। मुझे यकीन है कि यह लीग फैंस के लिए बहुत रोमांचक क्रिकेट और यादगार पल लेकर आएगी। मैं सभी से गुजारिश करता हूं कि वे तारीखें नोट कर लें और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए जरूर आएं। जय जगन्नाथ।'
ओसीए सेक्रेटरी संजय बेहरा ने भी पूर्व भारतीय क्रिकेटरों के जुड़ने का स्वागत करते हुए कहा, **'ओडिशा टी 20 लीग'** सीएम ट्रॉफी के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती जैसे बेहतरीन भारतीय क्रिकेटरों का जुड़ना सम्मान की बात है। उनके जुड़ने से टूर्नामेंट की अहमियत और बढ़ेगी और ओडिशा के युवा क्रिकेटरों को बड़े सपने देखने और इस प्लेटफॉर्म पर अपना टैलेंट दिखाने की प्रेरणा मिलेगी।'

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com